‘‘जालौन जनपद में संचालित ‘‘जल जीवन मिशन’’ योजना के अंतर्गत ‘‘हर घर नल–हर घर जल’’ परियोजना के प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर प्रस्तुत प्रतिवेदन’’

सर्वेक्षक संस्था

समाज कार्य विभाग,
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी (उ0प्र0)

सर्वेक्षक

डॉ0 यतीन्द्र मिश्र
विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग एवं मुख्य सर्वेक्षक (परियोजना)

एवं

गठित टीम (सर्वेक्षक एवं शोध छात्र)
डॉ0 बी.आर. अम्बेडकर, समाज विज्ञान संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

(सन् 2024)

विषय-सूची

क्रम	ग्राम, विकास खण्ड, जनपद	पृष्ठ संख्या
1.	ग्राम हथेरी, विकास खण्ड जालौन, जनपद जालौन	1-19
2.	ग्राम चमारी, विकास खण्ड कदौरा, जनपद जालौन	20-32
3.	ग्राम रायपुरा, विकास खण्ड महेवा, जनपद जालौन	33-46
4.	ग्राम रवा, विकास खण्ड नदीगाँव, जनपद जालौन	47-59
5.	ग्राम रूरा सिरसा, विकास खण्ड नदीगाँव, जनपद जालौन	60-73
6.	ग्राम सला (जमहोरी खुर्द), विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन	74-88
7.	ग्राम इगुई खुर्द, विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन	89-102
8.	ग्राम मबई एट (धमसेनी), विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन	103-116
9.	ग्राम जैसारी खुर्द, विकास खण्ड डकोर, जनपद जालौन	117-129
10.	ग्राम गिरथान, विकास खण्ड डकोर, जनपद जालौन	130-143
संलग्नक– 1. साक्षात्कार अनुसूची		

ग्राम हथेरी, विकास खण्ड जालौन, जनपद जालौन

प्रापक–

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,

नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग,

किसान बाजार, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ।

प्रेषक–

विभागाध्यक्ष,

समाज कार्य विभाग,

बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी।

विषय– *''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के अंतर्गत जालौन जनपद से चयनित कुल 10 ग्रामों के ग्रामवार प्रभाव आकलन का प्रतिवेदन।*

1.0 विषय परिचय

''जल जीवन मिशन'' केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। यह योजना वर्ष 2019 में गोवा से संचालित की गयी थी, जिसके

लक्ष्यों को वर्ष 2024 तक प्राप्त करने की समय–सीमा निर्धारित है। इस योजना द्वारा भारत के प्रत्येक ग्रामीण परिवार में स्वच्छ पेयजल की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु नल का कनेक्शन दिये जाने तथा उस नल से प्रत्येक परिवार के प्रति सदस्य को प्रतिदिन

लगभग 55 लीटर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है जिससे कि जल संकट का समाधान प्रस्तुत करने के साथ ही स्वास्थ्य स्तर में सुधार एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का सर्वांगीण विकास किया जा सके।

2.0 साहित्य अवलोकन

स्वस्थ एवं कुशल मानव संसाधन के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि उस राष्ट्र में निवास करने वाले लोग निरोग एवं स्वस्थ हों। स्वस्थ मानव संसाधन के निर्माण

में संतुलित आहार एवं स्वच्छ जल की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास होता है। इसलिए सम्पूर्ण स्वास्थ्य की प्राप्ति, जिसमें शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य सम्मिलित है, की कल्पना स्वच्छ पेयजल के अभाव में नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–21 के अंतर्गत गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार भारत के प्रत्येक नागरिक को प्राप्त है। इसमें स्वच्छ पेयजल का अधिकार भी एक मौलिक अधिकार के रूप में समाहित है। इसलिए सरकार का दायित्त्व है कि वह वंचित ग्रामीण आबादी तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करे, ताकि उनके जीवन स्तर में सुधारात्मक बदलावों को प्रेरित किया जा सके। यदि उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र की बात की जाये, तो यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही जल संकट का सामना करता रहा है। यहां पर औसत वार्षिक वर्षा बहुत कम होती है। यहां अधिकांश वर्षा दक्षिण–पश्चिम मानसून द्वारा जुलाई से सितंबर माह के मध्य होती है। पहाड़ी एवं पठारी क्षेत्र होने के कारण भूजल स्तर बहुत नीचे है। जल संकट ने यहां के जीवन को दुष्कर बनाया हुआ है। पर्याप्त एवं शुद्ध जल की कमी ने यहां के लोगों के समक्ष गंभीर जल संकट उत्पन्न किया है जिसका समाधान नितांत आवश्यक है। इसके समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घल नल–हर घर जल'' परियोजना संचालित की जा रही है, ताकि जल संकट के समाधान के साथ–साथ आरोग्य की प्राप्ति एवं सामाजिक विकास के बहु–आयामी लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

3.0 प्रभाव आकलन का उद्देश्य

1. ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत जालौन जनपद के विकास खण्ड जालौन के ग्राम हथेरी में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव का आकलन।
2. ''हर घल नल–हर घर जल'' योजना क्रियान्वयन द्वारा ग्राम हथेरी में निवासित ग्रामीण जन के सामाजिक–आर्थिक, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य एवं सामाजिक व्यवहार में बदलाव की स्थिति का अध्ययन।

4.0 प्रभाव आकलन की उपकल्पना

1. राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा संचालित योजना ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा ग्राम हथेरी, विकास खण्ड जालौन, जनपद जालौन में कृत कार्य से लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आया है
2. ग्राम हथेरी में निवासित आबादी के स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है।
3. परियोजना के संचालन से ग्रामीण जन के सामाजिक–आर्थिक एवं शैक्षिक स्थितियों में बदलाव हुआ है।
4. परियोजना के संचालन से सामाजिक मनोवृत्ति एवं सामाजिक व्यवहार में बदलाव आया है।

5.0 अध्ययन की प्रणाली एवं उपकरण

अध्ययन हेतु शोध की निम्न तकनीकि एवं उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

1. अवलोकन
2. सहभागी मूल्यांकन

6.0 अध्ययन की विधि

ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम हथेरी, विकास खण्ड जालौन, जनपद जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत शोध में किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम हथेरी की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री संजय सिंह से ग्राम हथेरी की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके हथेरी ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम हथेरी में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर,

विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री एवं आशा से भी बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन मूल्यों में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

7.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम हथेरी की कुल आबादी–1550 है एवं कुल परिवारों की संख्या–180 तथा मतदाताओं की संख्या–510 है। ग्राम हथेरी में नल कनेक्शन स्कोप–136 है जिसके सापेक्ष 157 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त करते हुए नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

8.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम हथेरी से संबद्ध हितधारकों एवं न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से परिचर्चा में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम में कुल लगभग 500 एकड़ जमीन उपलब्ध है जो कि 100 प्रतिशत उपजाऊ है जिसमें कृषि कार्य किया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हथेरी में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि है क्योंकि अधिकांश आबादी

कृषि से ही अपनी आजीविका चला रही है। ग्राम के कुछ लोग दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, गुड़गांव आदि शहरों/महानगरों में जाकर दिहाड़ी–मजदूरी तथा कारखानों में काम करके अपनी जीविका चला रहे हैं। कुछ लोग गांव में रहते हुए कृषि कार्य के साथ–साथ छोटे–मोटे रोजगार भी कर रहे हैं जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी हो रही है।

9.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम हथेरी में एक प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित है। प्राथमिक विद्यालय

के प्रधानाचार्य श्री अयोध्या प्रसाद से हुई परिचर्चा के आधार पर प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में कुल स्टॉफ की संख्या–02 है एवं विद्यालय में कुल 46 विद्यार्थी

नामांकित हैं जिसमें 27 बालक एवं 19 बालिकायें हैं। विद्यालय में मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं तथा विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त कर दिया गया है जिससे नियमित रूप से बच्चों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। वर्णित योजना द्वारा नियमित रूप से जलापूर्ति होने के कारण विद्यालय में बने शौचालय पूर्ण रूप से क्रियात्मक हैं जिसके कारण बालक एवं बालिकाओं को खुले में शौच जाने के लिए विवश नहीं होना पड़ता है।

10.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। हथेरी ग्राम की कुल जनसंख्या 1550 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 1550/10 = 150 (पूर्ण करने पर) न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 125 महिला एवं 125 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में हथेरी ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

11.0 समाविष्ट के मानदण्ड

हथेरी ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण

जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

12.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि हथेरी ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

13.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम हथेरी विकास खण्ड जालौन का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

13.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम हथेरी में महिलाओं के जीवन स्तर में आये परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए कुल 125 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन की 98 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने के बाद से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार आया है। अब महिलायें स्वयं को ऊर्जावान महसूस करती हैं और वह जो भी कार्य करती हैं, उसमें उनका मन लगता है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री से हुई चर्चा में पाया गया कि

गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर स्वच्छ जल की उपलब्धता के कारण बेहतर हुआ है। न्यादर्श की 100 प्रतिशत इकाइयों ने स्वीकार किया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी है। 97 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि अब दूषित जल पीने से छुटकारा मिल गया है क्योंकि नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति प्रत्येक परिवार को हो रही है। ग्राम प्रधान से हुई चर्चा में पाया गया कि मातृ मृत्यु–दर में वर्णित योजना के संचालन के बाद से कमी आयी है। 95 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि योजना के संचालन से महिलाओं के पास समय की बचत हुई है क्योंकि अब जल संग्रह पर समय कम लगता है और स्वास्थ्य अच्छा होने के कारण वह नियमित रूप से क्रियाशील रहती हैं। समय बचत के कारण परिवार की देखभाल पर महिलायें अधिक समय दे पा रही हैं एवं बच्चों का पालन–पोषण भी अच्छे

से कर रही हैं। 94 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार कृषि एवं पशुपालन तथा सिलाई–कढ़ाई जैसी गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी हैं। अतः स्पष्ट है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति में सुधार आया है और वह रोजगारपरक गतिविधियों में संलग्न होकर दैनिक खर्चों के मामले में आत्मनिर्भर हुई हैं।

13.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम हथेरी में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना का शिक्षा के क्षेत्र में आये बदलाव के संदर्भ में चर्चा करने पर प्रधानाचार्य श्री अयोध्या प्रसाद ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने से विद्यालय में बच्चों के नामांकन में वृद्धि हुई है, अब बच्चे नियमित रूप से पढ़ने के लिए आ रहे हैं। प्रधानाचार्य के कथनानुसार बच्चों में स्वच्छता के प्रति भी जागरूकता आयी है। न्यादर्शों से चर्चा करने पर 98 प्रतिशत ने बताया कि अभिभावकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता आयी है। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से बच्चों की शिक्षा पर धन का अधिक निवेश अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है। बालिकाओं की शिक्षा के संदर्भ में चर्चा करने पर 92 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि बालिकाओं की शिक्षा व्यवस्था में अधिक सुधार देखा गया है। अब बालिकाओं को खाना बनाने एवं बर्तन धोने तथा घर के अन्य कार्यों तक ही सीमित ना करके शिक्षा

प्राप्त करने के अधिक अवसर दिये जा रहे हैं। उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजा जा रहा है ताकि वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकें।

13.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

न्यादर्शों से वर्णित योजना द्वारा स्वास्थ्य संबंधी बदलावो के संदर्भ में चर्चा करने पर पता चला कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने ग्राम हथेरी के समग्र स्वास्थ्य में सुधार किया है। अध्ययन की 95 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि जब से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है वह स्वयं को अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। 98 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के कारण पेट

दर्द एवं जल जनित बीमारियों में कमी आयी है। अध्ययन में सम्मिलित 96 प्रतिशत लोगों ने बताया कि इलाज पर होने वाले खर्च की बचत हुई है। स्थानीय डॉक्टर से हुई

परिचर्चा में जानकारी मिली कि अब दूषित जल से होने वाली बीमारियों जैसे– डायरिया, पेचिस, दस्त आदि बीमारियों में कमी आयी है। अध्ययन में न्यादर्श रूप में सम्मिलित 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में पूर्व की अपेक्षा अधिक सुधार आया है जिससे उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है। 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने स्वीकार किया कि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने से दवाओं पर उनकी निर्भरता कम हुई है। 91 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि पूर्व में दूषित जल पीने के कारण अनेक बार शौच हेतु जाना पड़ता था लेकिन अब नहीं जाना पड़ता है क्योंकि अब प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उलब्ध है। इस प्रकार यह कह सकते हैं कि ''हर घर

नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वास्थ्य को उन्नत करने में उल्लेखनीय भूमिका निभायी गयी है। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर होने से उनमें खुशहाली आयी है।

13.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से ग्राम हथेरी में निवासित सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति पाइप द्वारा की जा रही है। न्यादर्शों ने बताया कि पूर्व में

केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धा थी। निम्न स्तर के लोगों को दूषित पेयजल से ही अपनी दैनिक क्रियाओं का संपादन करना पड़ता

था। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालित होने से ग्राम हथेरी में शांति एवं सहयोग का भाव विकसित हुआ है। अब लोगों में अपनेपन की भावना आयी है। वर्णित योजना ने सामाजिक गतिशीलता को प्रेरित करके लोगों के रहन–सहन के स्तर को उच्च किया है। 96 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना ने ग्राम में सामाजिक भेदभाव को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से शादी–विवाह के संबंध में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने से प्राप्त जानकारी के अनुसार 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बतया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के कारण शादी–विवाह जैसे समारोहों पर खर्च अधिक किया जा रहा है, दहेज के लेन–देन में कमी आयी है, लड़के एवं लड़कियों की पसंद को प्राथमिकता दी जा रही है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि वर्णित योजना द्वारा सामाजिक परिवर्तन को बल देकर लोगों के रहन–सहन की स्थिति को उच्च किया गया है तथा योजना द्वारा उनमें आधुनिक मूल्यों का समावेश भी हुआ है। वर्णित योजना द्वारा सामाजिक न्याय को भी पोषित किया गया है।

13.5 रोजगार के अवसर

ग्रामीण लोगों से हुई परिचर्चा के अनुसार ग्राम में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि है। कुछ लोग दिहाड़ी–मजदूरी एवं स्वरोजगार जैसे– किराना की दूकान, गोलगप्पे की दूकान, कपड़ी बेचने की दूकान, राजगीरी, मोबाइल शॉप की दूकान, मुर्गी पालन आदि रोजगारपरक कार्यों द्वारा भी जीवकोपार्जन कर रहे हैं। ''हर घर

नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र में आये बदलावों के संदर्भ में न्यादर्शों से चर्चा करने पर पता चला कि 95 प्रशित उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वर्णित योजना के लागू होने से कृषि एवं पशुपालन में अधिक वृद्धि देखी गयी है। यदि भागीदारी की बात करें तो, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी इसमें अधिक बढ़ी है। 94 प्रतिशत

उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से जल संकट समाप्त हो जाने के बाद से युवाओं का लगाव अपने गांव के प्रति बढ़ा है जिसके कारण वह गांव में ही रहकर स्वरोजगार के माध्यम से जीविका निर्वाह करना पसंद कर रहे हैं। युवाओं से समूह परिचर्चा में पता चला कि वह शहरों की बदहाल जिंदगी के स्थान पर अपने गांव में ही रहना पसंद करते हैं। 92 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है क्योंकि अब वह शहरों की भीड़–भाड़ वाली जिंदगी से

बचकर गांव में ही रोजगार के विविध विकल्पों की खोज कर रहे हैं। अवलोकन में पता चला कि वर्णित योजना के कारण युवाओं में स्वावलंबन एवं आत्मविश्वास की भावना का विकास हुआ है। वह अपने आत्मसम्मान से समझौता किये बिना रोजगार प्रदाता के रूप में स्वयं को स्थापित करने के लिए प्रयासरत हैं। इस प्रकार से उक्त योजना रोजगार के क्षेत्र में रूपांतरकारी बदलाव ला रही है।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा संचालित ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्य से हथेरी ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में समग्र परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहा है। वर्णित योजना द्वारा महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति में सुधार एवं उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभायी गयी है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी योजना द्वारा महत्त्वपूर्ण बदलाव लाये गये हैं। लोगों के स्वास्थ्य को उन्नत करके उन्हें खुशहाल जीवन प्रदान करने में वर्णित योजना की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। सामाजिक व्यवहार को परिवर्तित करके लोगों में आधुनिक मूल्यों के समावेश द्वारा सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करने में भी योजना की भूमिका सराहनीय रही है। इस प्रकार से यह कहना समीचीन होगा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सर्वांगीण विकास को पोषित किया गया है जिससे ग्राम हथेरी में निवासित लोगों के जीवन में विकास के वर्तमान प्रारूप के अनुसार बदलाव आया है। अध्ययनकर्ता द्वारा अवलोकन में पाया गया कि लोगों द्वारा जल का अधिक अपव्यय किया जा रहा है तथा लोगों में जल के उपयोग के प्रति संवेदनशीलता की कमी देखी गयी जिसका समाधान करना आवश्यक है।

14.0 सुझाव

- लोगों को पेयजल के प्रति संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है।
- हथेरी ग्राम के लोग स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता को समझें, इसके लिए उनमें चेतना का विकास तथा जागरूकता लाने की जरूरत है।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से गांव में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जाने चाहिए।
- यह भी देखा गया कि जिस समय विद्यालय खुला रहता है, उस समय पेयजल की आपूर्ति नहीं होती हैं, क्योंकि जलापूर्ति सुबह और शाम को ही होती है। इस कारण बच्चों को स्वच्छ एवं ताजा पेयजल विद्यालय में उपलब्ध नहीं हो पाता है। इस व्यवस्था में सुधार किये जाने की आवश्यकता है।
- समाज कार्य हस्तक्षेप द्वारा पेयजल की उपादेयता को लोगों को समझाया जा सकता है।
- जल सहेलियों के सहयोग द्वारा भी जल के अपव्यय को रोका और लोगों को संवेदनशील बनाया जा सकता है।
- पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर के सहयोग से भी जागरूकता कार्यक्रमों को संचालित किया जा सकता है।
- सरकार को जल संरक्षण के प्रति अनिवार्य रूप से लोगों को जागरूक करना चाहिए ताकि अपव्यय होने वाले जल को रोका जा सके क्योंकि बुंदेलखण्ड क्षेत्र

वैसे ही जल संकट का सामना करता रहता है, यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भूजल स्तर और नीचे जा सकता है जिससे जल संकट की समस्या बुंदेलखण्ड क्षेत्र में और गंभीर हो सकती है।

ग्राम चमारी, विकास खण्ड कदौरा, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम चमारी, विकास खण्ड कदौरा, जनपद

जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत शोध में किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम चमारी की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या,

शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री बृजेश कुमार गौतम से ग्राम चमारी की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके चमारी ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में

जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम चमारी में संचालित कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं,

विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री एवं आशा तथा स्वास्थ्य केन्द्र की ए.एन.एम. श्रीमती बंदना देवी से भी बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से भी योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन मूल्यों में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम चमारी की कुल आबादी लगभग–4200 है एवं कुल परिवारों की संख्या–321 तथा मतदाताओं की संख्या–1960 है। ग्राम चमारी में नल कनेक्शन स्कोप–400 है जिसके सापेक्ष केवल 150 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त नहीं किया गया है। यद्यपि कि नल संयोजन से संतृप्त परिवारों को स्वच्छ पेयजल की प्राप्ति हो रही है लेकिन नियमित रूप से नहीं।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम चमारी से संबद्ध हितधारकों एवं न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से परिचर्चा में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चमारी में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि है, क्योंकि अधिकांश आबादी कृषि से ही अपनी आजीविका चला रही है। लोगों ने

बताया कि ग्राम के कुछ लोग बाहर शहरों में चले गये हैं और वहीं अपना जीवन–निर्वाह कर रहे हैं। कुछ लोग गांव में रहते हुए कृषि कार्य के साथ–साथ छोटे–मोटे रोजगार भी कर रहे हैं जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी हो रही है।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम चमारी में एक कम्पोजिट विद्यालय सरकार संचालित है। कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य से हुई परिचर्चा के आधार पर प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में कुल

स्टॉफ की संख्या–04 है एवं विद्यालय में कुल 115 विद्यार्थी नामांकित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं। शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे नियमित रूप से बच्चों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। प्रधानाचार्य ने बताया कि वर्णित योजना द्वारा नियमित रूप से जलापूर्ति होने के कारण विद्यालय में बने शौचालय पूर्ण रूप से क्रियात्मक हैं जिसके कारण बालक एवं बालिकाओं को खुले में शौच जाने के लिए विवश नहीं होना पड़ता है।

नोट *: अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। चमारी ग्राम की कुल जनसंख्या 4200 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 4200/10 = 420 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 210 महिला एवं 210 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में चमारी ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

चमारी ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि चमारी ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम चमारी, विकास खण्ड कदौरा का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम चमारी में महिलाओं के जीवन स्तर में हुए बदलावों का अध्ययन करने के लिए कुल 210 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया

गया है। अध्ययन में सम्मिलित इकाइयों से हुई परिचर्चा 100 प्रतिशत ने बताया कि वर्णित योजना द्वारा प्राप्त होने वाले स्वच्छ पेयजल के कारण महिलाओं के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 93 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने के पूर्व, माह में लगभग 10–12 दिन तक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता था जिससे

कार्य क्षमता तो प्रभावित होती ही थी, परिवार में भी कलह बनी रहती थी, जिससे पारिवारिक सुख–शांति भंग हो जाती थी। 94 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के पूर्व दूर से जल भरकर लाने के कारण समय तो लगता ही था, साथ ही कमर एवं कंधे में दर्द भी अधिक होता था, गर्भवती एवं शारीरिक रूप से कमजोर महिलाओं को दूर से पेयजल लाने में अधिक कठिनाई होती

थी। अब योजना द्वारा इस समस्या का समाधान हुआ है जिससे महिलाओं में बहुत खुशहाली आयी है। स्वास्थ्य केन्द्र के ए.एन.एम. ने बताया कि अब ग्राम में निवासित सभी आयु के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है। बच्चों के पेट में कीड़ों की समस्या कम हुई है। न्यादर्श की 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि वर्णित योजना द्वारा दूषित पेयजल से छुटकारा मिलने के कारण द्वारा पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी है। 95 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि महिलाओं में रोजगारपरक कार्यों के प्रति उत्सुकता बढ़ी है जिससे कृषि एवं पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन में उनकी भागीदारी बढ़ी है और वह उससे आय प्राप्त कर रही हैं। 92 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि वह पूर्व की अपेक्षा बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर अधिक समय दे रही हैं। इस प्रकार से महिलाओं की जीवन में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा व्यापक स्तर पर बदलाव आया है जिसके कारण वर्णित योजना महिलाओं में खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम चमारी में शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है, जैसा कि 96 प्रतिशत न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों ने बताया। 94 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि घर पर बच्चों को पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ग्राम चमारी में सरकार द्वारा संचालित कम्पोजिट विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से आच्छादित किया जा चुका है जिससे बच्चों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की उपलब्ध हो रहा है। कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लागू होने के बाद से विद्यालय में बच्चों के

नामांकन में वृद्धि हुई है और यह वृद्धि बालिकाओं में अधिक देखी गयी है। अब बच्चे नियमित रूप से पढ़ने के लिए आ रहे हैं और पूरे समय विद्यालय में रहकर पूर्ण मनोयोग से पढ़ाई करते हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि पर्याप्त जलापूर्ति के कारण विद्यालय में निर्मित शौचालय के प्रकार्यात्मक होने के विद्यार्थियों की उपस्थिति में वृद्धि हुई है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

कुल 420 न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्णित योजना के संचालन से पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी हैं जिससे उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। न्यादर्श

में सम्मिलित इकाइयों से चर्चा करने पर पता चला कि वर्णित योजना ने ग्राम चमारी के लोगों की शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन किया है। 98 प्रतिशत

न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के कारण जल जनित बीमारियों जैसे– दस्त, डायरिया, पीलिया, पेचिस आदि में कमी आयी है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब डॉक्टर को इलाज हेतु अनावश्यक पैसे देने की जरूरत नहीं है क्योंकि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण अनेक प्रकार की बीमारियों का शमन हुआ है। 95 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि अब पर्याप्त जल की उपलब्धता के कारण घर में शौचालयों का पूर्ण रूप से उपयोग किया जा रहा है जिसके कारण मक्खियों से होने वाली बीमारियों में कमी आयी है। इस प्रकार से यह कहना समीचीन होगा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हुए लोगों के स्वास्थ्य को उन्नत किया गया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम चमारी में निवासित नल संयोजन से संतृप्त सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति पाइप द्वारा की जा रही है। अध्ययन में सम्मिलित इकाइयों ने बताया कि पूर्व में केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता थी। निम्न स्तर के लोग स्वच्छ पेयजल पर होने वाले खर्च को वहन करने में सक्षम नहीं थे जिसके कारण उन्हें कुओं एवं तालाबों में उपलब्ध जल से ही काम चलाना पड़ता था। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से गांव में सामाजिक एकता एवं अपनेपन की भावना को बल मिला है। आधुनिक मूल्यों के

समावेश के कारण सामाजिक न्याय की स्थापना हुई है और भेदभाव में कमी आयी है तथा जल के लिए होने वाले झगड़ों पर अंकुश लगा है। 96 प्रतिशत न्यादर्श में सम्मिलित

लोगों ने बताया कि सामाजिक गतिशीलता के कारण लोगों की सोच में परिवर्तन आने से शादी–विवाह जैसे मूल्यों में भी परिवर्तन देखा गया है। अब बाल–विवाह में कमी आयी है क्योंकि लोग उसके दुष्परिणामों से परिचित हुए हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने लोगों के सामाजिक व्यवहार को परिवर्तित करते हुए आधुनिक मूल्यों को प्राख्यापित किया है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम चमारी में निवासित लोगों से हुई परिचर्चा में पाया गया कि चमारी ग्राम के लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है। कुछ लोग दिहाड़ी–मजदूरी एवं स्व–रोजगार द्वारा भी अपनी आजीविका चला रहे हैं। कुछ लोग शहरों में जीवकोपार्जन के कारण पलायन कर गये हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र में आये बदलावों के संदर्भ में न्यादर्शों से चर्चा करने पर पता चला कि 94 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयां इस बात से सहमत हैं कि वर्णित योजना द्वारा रोजगार के उपलब्ध विकल्पों में महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। कृषि एवं पशुपालन तथा हस्त–शिल्प में महिलाओं की भागीदारी अधिक बढ़ी है। रोजगार सेवक से बात करने पर पता चला कि स्वच्छ जल की उपलब्धता के कारण युवा लोग अपने गांव में ही रहना पसंद कर रहे हैं जिसके कारण मनरेगा में युवाओं द्वारा काम की मांग बढ़ी है। 90 प्रतिशत युवाओं ने बताया कि वह गांव में जल संकट का समाधान एवं अन्य सुविधाओं के उपलब्ध होने के कारण गांव में ही रहकर स्व–रोजगार करने के प्रति इच्छुक हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने युवाओं में पलायन दर कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन् किया है क्योंकि अब युवा लोग रोजगार की चाह में शहरों की ओर जाना पसंद नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह गांव में ही रोजगार के उपलब्ध विविध विकल्पों में हाथ आजमा कर अपनी आजीविका चलाना चाहते हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा युवाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है जिसके कारण वह वर्णित योजना से बहुत खुश हैं।

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन में हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़े इस तथ्य की ओर इंगित करते हैं कि राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत हद तक सफल रही है। ग्राम में निवासित लोगों के समग्र विकास में योजना की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं का सशक्तिकरण, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन जैसे आयामों पर वर्णित योजना सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। यह योजना लोगों में खुशहाली एवं समृद्धि का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- पेयजल के दुरूपयोग को रोकने के लिए लोगों में जल संकट के प्रति चेतना जागृत करते हुए संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है।
- जल सहेलियों की सेवायें प्राप्त करके भी लोगों को जागरूक किया जा सकता है।
- लोगों को जल के महत्त्व के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता है।
- 100 प्रतिशत लोग आपूर्ति किये जाने वाले जल का पेयजल के रूप में उपयोग करें, इसके लिए उन्हें जागरूक, शिक्षित एवं चेतित करने की आवश्यकता है।
- हितधारकों को जागरूक करके भी योजना को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

ग्राम रायपुरा, विकास खण्ड महेवा, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

भारत में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम रायपुरा, विकास खण्ड महेवा, जनपद

जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत अध्ययन में किया गया है। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम रायपुरा की कुल जनसंख्या,

ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती नीलम देवी से ग्राम रायपुरा की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्री कन्हैया लाल यादव एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके रायपुरा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम रायपुरा में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केन्द्र का अभाव पाया गया। आशा कार्यकत्री से बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। गांव में संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से भी योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन मूल्यों में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम रायपुरा की कुल आबादी लगभग–1100 है एवं कुल परिवारों की संख्या–210 तथा मतदाताओं की संख्या–750 है। ग्राम रायपुरा में नल कनेक्शन स्कोप–152 है जिसके सापेक्ष 150 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम से बाहर अर्थात् जो परिवार शहरों में जीवकोपार्जन के कारण पलायन कर गये हैं, वही नल संयोजन से वचित हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी परिवारों को नल कनेक्शन तो दिया जा चुका है लेकिन सभी नलों में अभी पेयजल की आपूर्ति नहीं की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम के लोगों से हुई परिचर्चा में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रायपुरा के लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है, कुछ लोग कृषि कार्य के साथ ही स्व–रोजगार के माध्यम से भी अपनी आजीविका चला रहे हैं। गांव के कुछ युवा एवं प्रौढ़ लोग शहरों में जीविका हेतु पलायन कर गये हैं यद्यपि कि वह समय–समय पर अपने घर आते रहते हैं। पशुपालन एवं दिहाड़ी–मजदूरी करके भी लोग जीवकोपार्जन कर रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम रायपुरा में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बीरपाल ने बताया कि विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे

स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री योगेन्द्र से हुई परिचर्चा के आधार पर प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय

में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं। वर्णित योजना द्वारा नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। उक्त विद्यालयों में बने शौचालय में नियमित रूप से जलापूर्ति होने के कारण प्रकार्यात्मक अवस्था में आ चुके है जिससे विद्यार्थियों को खुले में शौच के लिए नहीं जाना पड़ता है।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। रायपुरा ग्राम की कुल जनसंख्या 1100 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 1100/10 = 110 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 55 महिला एवं 55 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में रायपुरा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

रायपुरा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि रायपुरा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम रायपुरा, विकास खण्ड महेवा का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रायपुरा में महिलाओं के जीवन स्तर में हुए बदलावों का अध्ययन करने के लिए कुल 55 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि वर्णित योजना के संचालन के बाद से जल संग्रह पर लगने वाले समय की बचत हुई है क्योंकि अब घर में ही टोटी के माध्यम से जल प्राप्त हो जाता है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि एक अति गंभीर समस्या का निराकरण ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालित होने से हुआ है। 93 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने से उनकी कार्य क्षमता में सुधार आने के कारण वह रोजगारपरक कार्यों में अधिक समय दे रही हैं। 95 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि धन की बचत होने के कारण परिवार में शांति स्थापित हुई है। 93 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि परिवार को अधिक समय देने के कारण उनका सम्मान परिवार में बढ़ा है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि दूषित

जल पीने की मजबूरी से मुक्ति मिलने के कारण उनका स्वास्थ्य पूर्व की अपेक्षा बेहतर हुआ है।

अध्ययनकर्ता द्वारा अवलोकन में पाया गया कि आय उत्पादक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है जिससे महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति में सुधार आने के साथ ही आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। इस प्रकार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना महिलाओं को सशक्त करने के साथ ही उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों में भी सुधार किया है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम रायपुरा में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। 96 प्रतिशत अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों ने बताया कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा जा रहा है। 96 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रायपुरा में शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है। 93 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि घर पर बच्चों को पढ़ाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य से हुई चर्चा में ज्ञात हुआ कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उपलब्ध स्वच्छ पेयजल के कारण बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आया है जिससे बच्चों के नामांकन में वृद्धि एवं ड्राप आउट की दर में कमी आयी है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री योगेन्द्र जी के अनुसार बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने से उनकी बोध क्षमता में सुधार हुआ है। प्रधानाचार्य ने बताया कि पहले लगभग 15 प्रतिशत बच्चे मिड–डे–मील खाने के बाद विद्यालय से चोरी–छिपे भाग जाते थे, लेकिन अब शिक्षा का माहौल उत्पन्न होने एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता आने के कारण बच्चे विद्यालय में रूक कर पूरे समय पढ़ाई कर रहे हैं। उक्त दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा जलापूर्ति होने से विद्यालय में निर्मित शौचालय पूर्ण रूप से कार्यात्मक हो गये हैं जिसके कारण भी बच्चे विद्यालय आने के लिए आकर्षित हुए हैं, विशेषकर बालिकायें। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने ग्राम रायपुरा की शिक्षा

व्यवस्था में अनुकरणीय बदलावों को प्रोत्साहित किया है जिससे शिक्षा के प्रति लोगों का लगाव बढ़ा है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित कुल 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रायपुरा में रहने वाले लोगों के

समग्र स्वास्थ्य में सुधार आया है। 96 प्रतिशत लोगों ने बताया कि पेट संबंधी बीमारियां कम हुई हैं। 98 प्रतिशत न्यादर्शों ने कहा कि जल जनित बीमारियों में कमी आयी है। 94 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने स्वीकार किया कि बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में अधिक सुधार आया है। आशा कार्यकत्री ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उलब्धता से

गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य में अपेक्षाकृत अधिक सुधार हुआ है। युवाओं से चर्चा में पता चला कि वह स्वयं को ऊर्जावान महसूस करते हैं। 100 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है जिससे धन की वर्णित योजना के कारण बचत हुई है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सभी आयु के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से पूर्व गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के

कुछ लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। अब वर्णित योजना के

कारण प्रत्येक परिवार को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के संचालन से गांव में सहयोग एवं सहकार की भावना का विकास हुआ है, लोगों की सोच में आधुनिकता आयी है जिसके कारण सामाजिक न्याय को बढ़ावा मिला है। जल संकट का समाधान होने से लड़ाई–झगड़ों में कमी आयी है।

शादी–विवाह पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर न्यादर्श में सम्मिलित 91 प्रतिशत लोगों ने बताया कि अब दहेज एवं बाल विवाह की समस्या कम हुई है, लोगों की पसंद में परिवर्तन आने के कारण वह शिक्षित लड़के/लड़कियों से विवाह करना पसंद कर रहे हैं, विवाह में दिखावे के कारण लोगों द्वारा खर्च भी अधिक किया जा रहा है।

8.5 रोजगार के अवसर

रायपुरा ग्राम में अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। अधिकांश लोग कृषि से ही रोजगार प्राप्त करते हैं। कुछ लोग अन्य रोजगारपरक कार्यों द्वारा भी जीवकोपार्जन कर रहे हैं। वर्णित योजना का रोजगार पर प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 92 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वर्णित योजना ने पशुपालन के लिए अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न की हैं क्योंकि अब पशुओं के लिए भी पर्याप्त जल उपलब्ध हो रहा है। 93 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार सिलाई–कढ़ाई एवं कृषि तथा पशुपालन में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई है। युवाओं के संदर्भ में चर्चा करने पर 91 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया

कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है क्योंकि अब वह गांव में ही रहकर रोजगार के विकल्प ढूँढ़ रहे हैं। गांव में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण युवाओं का लगाव अपने गांव के प्रति बढ़ा है। गांव में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के कारण युवाओं

में अपने गांव में ही रहकर जीविका चलाने की इच्छा जागृत हुई है। अतएव यह कह सकते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने युवाओं के पलायन दर में कमी किया है तथा उन्हें गांव से जोड़कर रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन् किया है।

प्रस्तुत अध्ययन में हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में रायपुरा गांव में सफल रही रही है। योजना द्वारा कृत कार्यों के प्रति लोगों में संतुष्टि का भाव है। उपर्युक्त आयामों पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सकारात्मक प्रभाव

पड़ा है। लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिलाओं की प्रस्थिति को उच्च करने में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की भूमिका सराहनीय रही है। यह योजना ग्राम रायपुरा के लोगों के जीवन शैली में बदलाव का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- अवलोकन में पाया गया कि ग्राम रायपुरा के लोग ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा आपूर्ति किये जाने जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को नहीं समझ रहे हैं जिसके कारण वह इस जल का अधिक अपव्यय कर रहे हैं। इसलिए उनमें जल संकट के प्रति चेतना जागृत करते हुए संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है।
- समाज कार्य हस्तक्षेप के माध्यम से ''जल है तो जीवन है'' की सार्थकता को लोगों को बताने की जरूरत है, ताकि वह आपूर्ति किये जाने वाले जल का उपयोग सोच–समझकर करें।
- जिन ग्रामों में जल सहेलियां काम कर रही हैं, उन्हें प्रशिक्षण देने की जरूरत है जिससे कि वह लोगों को जल के उपयोग एवं महत्त्व के बारे में बता सकें।
- जागरूकता की कमी के कारण कुछ लोग वर्णित योजना द्वारा आपूर्ति किये जाने वाले जल का उपयोग पेयजल के रूप में नहीं कर रहे हैं क्योंकि उनकी धारणा बनी हुई है कि यह जल स्वच्छ नहीं है, इससे महक आती है (क्लोरीनीकरण के कारण)। इस धारणा को परिवर्तित करने के लिए कल्याणकारी संस्थाओं का

सहयोग लिया जा सकता है और गांव में ही जल का परीक्षण करके लोगों की गलत धारणा में परिवर्तन किया जाना चाहिए।

- कुल मिलाकर सरकार को केवल प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचा देने से ही इतिश्री नहीं कर लेना चाहिए, बल्कि आपूर्ति किये जाने वाले पेयजल का सदुपयोग हो, इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाना चाहिए।

ग्राम रवा, विकास खण्ड नदीगाँव, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम रवा, विकास खण्ड नदीगाँव, जनपद जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत अध्ययन में किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम रवा की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री मुलायम सिंह कुशवाहा से ग्राम रवा की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्री मुन्ना सिंह एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके रवा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम रवा में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित

आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका श्रीमती विमला देवी एवं आशा कार्यकत्री से बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण

आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। स्वयं सहायता समूह की सदस्य सुश्री दीप्ति एवं अन्य सदस्यों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम रवा की कुल आबादी लगभग–2000 है एवं कुल परिवारों की संख्या–330 तथा मतदाताओं की संख्या–900 है। ग्राम रवा में नल कनेक्शन स्कोप–318 है जिसके सापेक्ष केवल 285 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में रहने वाले सभी परिवार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त हैं, केवल वही परिवार वर्णित योजना से वंचित हैं जो जीवकोपार्जन हेतु शहरों में पलायन कर गये हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम रवा से संबद्ध हितधारकों एवं न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से परिचर्चा में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रवा में लगभग 2000 एकड़ जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत जमीन उपजाऊ है अर्थात् गांव में कृषि हेतु अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध हैं। गांव की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि एवं मजदूरी है, क्योंकि अधिकांश आबादी कृषि एवं मजदूरी से ही अपनी आजीविका चला रही है।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम रवा में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो रही है। प्राथमिक विद्यालय में कुल 02 शिक्षक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में कुल 03 शिक्षक

नियोजित हैं। प्राथमिक विद्यालय में कुल 63 विद्यार्थी नामांकित हैं जिसमें से 24 बालिकायें एवं 39 बालक हैं। उक्त दोनों विद्यालय मूलभूत सुविधाओं से आच्छादित हैं। विद्यालयों में बने शौचालय पूर्ण रूप से कार्यात्मक स्थिति में हैं।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। रवा ग्राम की कुल जनसंख्या 2000 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 2000/10 = 200 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 100 महिला एवं 100 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में रवा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

रवा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या

के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि रवा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम रवा का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों के जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया

गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो इस प्रकार हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रवा में महिलाओं के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए कुल 100 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श की 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी है। 98 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि अब इलाज हेतु धन खर्च में कमी आयी है क्योंकि अब बीमारियों में कमी आने से इलाज की जरूरत ही नहीं पड़ती है। 95 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि वर्णित योजना द्वारा समय की बचत हुई है जिससे वह बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर पूर्व की अपेक्षा अधिक समय दे पा रही हैं, परिणामस्वरूप परिवार में उनकी भूमिका बढ़ी है जिससे उन्हें सम्मानजनक प्रस्थिति प्राप्त हुई है। आशा कार्यकत्री से परिचर्चा में पता चला कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य में सुधार आया है। 96 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने के पूर्व अधिकतर समय स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती थी, जिससे कार्य प्रदर्शन नकारात्मक रूप से प्रभावित होता था। अब स्वच्छ पेयजल के कारण वह अधिक ऊर्जावान महसूस

करती हैं। 91 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि धन की बचत होने से महिलाओं द्वारा छोटे–मोटे रोजगार में धन का निवेश भी किया जा रहा है जिससे वह पैसे भी कमा रही हैं। अतएव यह कहना समीचीन होगा कि महिलाओं के जीवन को खुशहाल बनाने में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की भूमिका सराहनीय रही है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

100 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रवा में शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है। 96 प्रतिशत के अनुसार अभिभावकों द्वारा बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा जा रहा है। 93 प्रतिशत के अनुसार घर पर भी बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार गांव में शिक्षा का परिवेश निर्मित हुआ है। रवा ग्राम में संचालित प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक ने बताया कि स्वच्छ जल की उपलब्धता के कारण बच्चों में स्वच्छता आने के साथ ही बोध क्षमता में भी सुधार देखा गया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय

के प्रधानाचार्य के अनुसार बच्चों के नामांकन दर में सुधार आया है और ड्राप आउट की दर में कमी आयी है। इस तथ्य को प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने भी इंगित किया।

विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था होने के कारण बच्चों के नामांकन में और सुधार देखा गया है, विशेषकर बालिकाओं के। अध्ययनकर्ता द्वारा अवलोकन में पाया गया कि जिस समय विद्यालय खुला रहता है, उस समय जल की आपूर्ति नहीं होती है जिससे बच्चों को ताजा जल प्राप्त नहीं हो पाता है। बच्चों को टंकी में संग्रहित जल का ही सेवन करना पड़ता है। यदि इस व्यवस्था में सुधार किया जाता है तो वर्णित योजना के अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

100 प्रतिशत न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रवा ग्राम में निवासित लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है। न्यादर्श में सम्मिलित 98 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रवा ग्राम के लोगों का शारीरिक एवं मानसिक विकास हुआ है। 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के कारण बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में अधिक सुधार आया है। 92 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि पूर्व में दूर से जल लाने के कारण गर्दन में प्रायः दर्द हुआ करता था जिससे अब मुक्ति मिल गई है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार इलाज पर होने वाले व्यय में कमी आयी है। 96 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार दूषित पेयजल से मुक्ति मिलने के कारण वह स्वयं को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार पूर्व में दूषित जल पीने के कारण हड्डियां कमजोर पड़ जाती थी जिसमें अब कमी आयी है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वास्थ्य में सुधार करते हुए आर्थिक रूप से भी लोगों

को मजबूत बनाया गया है। लोगों में योजना के प्रति संतुष्टि का भाव आया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्शों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होन के पूर्व गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। वर्णित योजना के आने से प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है। 96 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम में सामाजिक एकता को बल मिला है। 94 प्रतिशत के अनुसार सामाजिक भेदभाव में भी कमी आयी है। 96 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार रहन–सहन के स्तर में वृद्धि

हुई है। 95 प्रतिशत के अनुसार सामाजिक गतिशीलता को प्रबल करने में यह योजना सहायक हुई है जिसके कारण लोगों की सोच में सकारात्मक तत्त्वों का समावेश हुआ है। शादी–विवाह के संबंध में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि वर्णित योजना के कारण दहेज की समस्या में कमी आयी है क्योंकि अब ''दूल्हन ही दहेज है'' की भावना लोगों में आयी है। अब लोग इस बात को समझ गये हैं कि वह दहेज लेंगे तो, उन्हें दहेज देना भी पड़ेगा। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों की सोच में सुधार करते हुए एक स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था को स्थापित करने में योगदान दिया जा रहा है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम रवा की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है, इसलिए रवा ग्राम में निवासित अधिकांश लोग कृषि पर आधारित जीवन का निर्वाह कर रहे हैं। गांव में कृषि योग्य जमीन भी पर्याप्त है जिससे फसलों का उत्पादन भी अधिक होता है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के कारण महिलाओं की भागीदारी कृषि कार्यों में बढ़ी है, क्योंकि महिलाओं के पास अब अधिक समय बच रहा है और उनका स्वास्थ्य में सुधरा है। 93 प्रतिशत न्यादर्श की इकाईयों ने बताया कि युवाओं की भूमिका कृषि एवं पशुपालन तथा संबद्ध गतिविधियों में बढ़ी है। 90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि गांव में स्वच्छ पेयजल एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के कारण युवाओं में अपने गांव में ही रहकर स्व–रोजगार करने की भावना आयी है जिससे युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है।

वर्णित योजना युवाओं के आत्मविश्वास को जागृत करने में सहायक हुई है। अध्ययनकर्ता

द्वारा अवलोकन में पाया गया कि युवाओं में नवीन रोजगार के क्षेत्रों में पूंजी निवेश करके जोखिम उठाने की क्षमता आयी है। वह एक नये नजरिए से किसी–भी व्यवसाय को देख रहे हैं। इस प्रकार से स्पष्ट है कि वर्णित योजना युवाओं के लिए नए अवसर लायी है जिससे उनके मनोबल के वृद्धि हुई है।

''जल जीवन मिशन'' योजनांतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना जिस ध्येय को संबोधित होकर कार्य कर रही है, उसकी प्राप्ति, प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सहभागी मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त आंकड़े सुनिश्चित करते हैं। सरकार द्वारा संचालित एवं पोषित परियोजना के अंतर्गत कृत कार्य से रवा ग्राम में रूपांतरकारी बदलावों को

प्रेरित किया गया है। विकास के विभिन्न आयामों में सुधार करते हुए वर्णित योजना लोगों की खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है। अवलोकन में पाया गया कि लोगों द्वारा जल का अधिक अपव्यय किया जा रहा है। लोगों में जल के उपयोग के प्रति संवेदनशीलता की कमी देखी गयी।

9.0 सुझाव

- पेयजल के अपव्यय को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये।
- लोगों को जल उपभोग के प्रति संवेदनशील बनाने की जरूरत है।
- विद्यालयों में नियमित रूप से पूरे समय जलापूर्ति किया जाये।
- लोगों को शिक्षित एवं उनमें चेतना लाने की जरूरत है जिससे कि वह जल का सदुपयोग करें।
- गैर–सरकारी संगठनों एवं समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करके जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जायें।

ग्राम रूरा सिरसा, विकास खण्ड नदीगाँव, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

वर्ष 2019 में संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम रूरा सिरसा, विकास खण्ड नदीगाँव, जनपद जालौन में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत अध्ययन में

किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम रूरा सिरसा की कुल जनसंख्या,

ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री लायक सिंह से ग्राम रूरा सिरसा की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्रीमती माया देवी एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके रूरा सिरसा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम रूरा सिरसा में संचालित कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाचाय एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन एवं जलापूर्ति की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका श्रीमती निर्मला देवी एवं ए.एन.एम. सीमा देवी से बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम रूरा सिरसा की कुल आबादी लगभग–4200 है एवं कुल परिवारों की संख्या–450 तथा मतदाताओं की संख्या–2086 है। ग्राम रूरा सिरसा में नल कनेक्शन स्कोप–456 है जिसके सापेक्ष केवल 405 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में रहने वाले सभी परिवार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त हैं, केवल वही परिवार वर्णित योजना से वंचित हैं जो जीवकोपार्जन हेतु शहरों में पलायन कर गये हैं। प्राप्त जानकारी

के अनुसार ग्राम के निवासित 14 परिवारों द्वारा नल कनेक्शन की मांग की गई है जिन्हें एक सप्ताह के अंदर नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जायेगा। कुछ तकनीकी समस्याओं

के कारण कुछ परिवारों में जलापूर्ति नहीं हो रही है, जिसे ठीक करके नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम रूरा सिरसा से संबद्ध हितधारकों एवं न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से परिचर्चा में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रूरा सिरसा में लगभग 4000 एकड़ जमीन उपलब्ध है, जो कि 100 प्रतिशत उपजाऊ है। उपजाऊ जमीन उपलब्ध होने के कारण गांव में कृषि हेतु अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध हैं। गांव की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि एवं मजदूरी है, क्योंकि अधिकांश आबादी कृषि एवं मजदूरी से ही अपनी आजीविका चला रही है।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम रूरा सिरसा में एक कम्पोजिट विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। कम्पोजिट विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो रही है। कम्पोजिट विद्यालय में कुल 160 विद्यार्थी नामांकित हैं जिसमें से 78 बालक एवं 82 बालिकायें हैं। विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं। विद्यालय में शिक्षकों की संख्या भी पर्याप्त है जिससे पढ़ाई–लिखाई का अच्छा परिवेश बना हुआ है।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। रूरा सिरसा ग्राम की कुल जनसंख्या 4200 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 4200/10 = 420 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 210 महिला एवं 210 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से "हर घर नल–हर घर जल" योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में रूरा सिरसा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

रूरा सिरसा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना "हर घर नल–हर घर जल" द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि रूरा सिरसा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम रूरा सिरसा का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो इस प्रकार हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत इस खण्ड में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रूरा सिरसा में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए कुल 210 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित 98 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होन के बाद से दूषित पेयजल से मुक्ति मिल गयी है, अब स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है जिसका उपयोग वह पेयजल, खाना बनाने तथा अन्य दैनिक कार्यों में कर रही हैं। 97 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से जल जनित बीमारियों में कमी आयी है और

इलाज हेतु होने वाले धन के खर्च में भी बचत हुई है। महिलाओं के रोजगार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 95 प्रतिशत महिला

न्यादर्शों ने बताया कि सिलाई–कढ़ाई, सब्जी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, घरेलू व्यवसायों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी हैं जिसके कारण उनकी आय में वृद्धि हुई है और वह दैनिक खर्चों हेतु स्वयं पर निर्भर हो पायी हैं। 96 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि समय की बचत होने के कारण वह बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर पूर्व की अपेक्षा अधिक समय दे रही हैं, जिससे परिवार में उनके सम्मान में वृद्धि हुई हैं। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पूर्व महिलाओं पर कार्य का बहुत बोझ रहता था, अब इसमें कमी आयी है। 98 प्रतिशत महिलाओं ने बताया

कि जलापूर्ति होने के कारण शौचालयों के क्रियात्मक होने से उनकी सुरक्षा एवं सम्मान में बढ़ोत्तरी हुई है क्योंकि पहले खुले में शौच जाना पड़ता था, शौच करते समय प्रायः गांव का कोई–ना–कोई पुरूष देख लेता था जिससे शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता था। रात में शौच करने जाते समय जहरीले कीड़ों के काटने का डर भी रहता था। इस प्रकार से देखा जाये तो यह कहा जा सकता है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा के साथ ही उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों में भी बदलाव आया है। वर्णित योजना द्वारा महिलाओं का समग्र विकास हुआ है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

रूरा सिरसा ग्राम में एक कम्पोजिट विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में कुल 160 विद्यार्थी नामांकित हैं। प्रधानाचार्य से हुई परिचर्चा में पाया गया कि विद्यालय में वर्णित योजना के संचालन के बाद से नामांकन एवं उपस्थिति दर में वृद्धि हुई है। बालिकाओं की उपस्थिति में अधिक वृद्धि देखी गयी है। विद्यालय में उपस्थित बच्चों से बात करने पर पता चला कि बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आ रहे हैं और शिक्षक कक्षायें भी ठीक से संचालित कर रहे हैं। बच्चों में वर्णित योजना के कारण स्वच्छता में भी सुधार देखा गया क्योंकि लगभग 95 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से स्नान करके और स्वच्छ कपड़े पहनकर विद्यालय आ रहे हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में योजना द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। विद्यालय में रखी टंकी में जल का संग्रह कर लिया जाता है जिसका उपयोग पेयजल एवं शौचालय में होता है। टंकी नियमित रूप से साफ की जाती है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्शों के

अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम रूरा सिरसा में शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार बच्चों को नियमित

रूप से तैयार करके विद्यालय भेजा जा रहा है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि बच्चे घर पर भी पढ़ाई पर ध्यान दे रहे हैं और उन्हें पढ़ने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों से हुई चर्चा में 97 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा जल जनित बीमारियां बहुत कम हुई हैं। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि योजना के संचालन के बाद से इलाज पर होने वाले

खर्च में कमी आयी है। 100 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सकारात्मक बदलाव आया है। 98 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के कारण बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में अधिक सुधार देखा गया है। ए.एन.एम. सीमा देवी से हुई वार्ता में पाया गया कि ग्राम में निवासित सभी लोगों के स्वास्थ्य में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण सुधार आया है। 95 प्रतिशत लोगों ने बताया कि अब इलाज पर होने वाले खर्च में बचत हो रही है क्योंकि अनेक प्रकार की बीमारियों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से कमी आयी है। अतएव यह कहना समीचीन होगा की ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा जल संकट के समाधान के साथ–साथ लोगों के स्वास्थ्य को भी बेहतर किया जा रहा है। यह योजना सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी अग्रसर है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों से हुई वार्ता में पाया गया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होन के पूर्व सभी लोगों तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं थी। गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध था। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालित होने से प्रत्येक परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। न्यादर्शों से परिचर्चा करने पर 96 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि वर्णित योजना द्वारा सामाजिक गतिशीलता एवं आधुनिक मूल्यों के समावेश के कारण लोगों की सोच में परिवर्तन आया है जिससे गांव में समानता एवं अपनेपन की भाव व्याप्त हुआ है। 95 प्रतिशत इकाइयों

ने बताया कि जल संकट का समाधान होने से सामाजिक तनाव में भी कमी आयी है

जिसके होने वाले झगड़ों में कमी देखी गयी है।

न्यादर्शों से शादी–विवाह के मामले में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा आये बदलावों को जानने के लिए बात करने पर पता चला कि 91 प्रतिशत न्यादर्श इस बात से सहमत हैं कि वर्णित योजना ने शादी–विवाह में खर्चों को बढ़ा दिया है क्योंकि इलाज से होने वाले धन की बचत एवं रोजगार के विविध विकल्पों के कारण लोगों के पास धन की बचत हुई है जिसका उपयोग वह शादी–विवाह में कर रहे हैं। 94 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि बाल विवाह में कमी वर्णित योजना के कारण आयी है क्योंकि लोगों में बाल–विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता आयी है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि वर्णित योजना के कारण जल संकट का समाधान करते हुए

सामाजिक एकता एवं सामंजस्य का भाव गांव में निर्मित किया गया है। सोच में परिवर्तन आने के कारण शादी–विवाह में भी आधुनिकता की छाप देखी जा सकती है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम रूरा सिरसा में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां तथा दिहाड़ी–मजदूरी है, गांव में उपलब्ध लगभग 4000 एकड़ जमीन उपजाऊ

है जिसमें कृषि कार्य बड़े पैमाने पर किया जाता है। न्यादर्श की इकाइयों से चर्चा करने पर 95 प्रतिशत ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण स्वास्थ्य स्तर में सुधार होने के कारण महिलाओं का योगदान कृषि कार्य में बढ़ा है। 94 प्रतिशत ने बताया कि धन की बचत के कारण कृषि एवं पशुपालन में धन के निवेश में वृद्धि देखी

गयी है। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों से युवाओं के संदर्भ में बात करने पर पता चला कि 90 प्रतिशत न्यादर्श सहमत हैं कि युवाओं के पलायन में वर्णित योजना के कारण कमी आयी है क्योंकि युवाओं द्वारा अब अपने गांव में ही रोजगार के विविध विकल्पों की तलाश की जा रही है और वह मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के कारण गांव में ही रहना पसंद कर रहे हैं। युवाओं से बात करने पर 93 प्रतिशत ने बताया कि वह गांव में रहकर स्व–रोजगार करने के इच्छुक हैं क्योंकि शहरों में जाकर दिहाड़ी–मजदूरी एवं कारखानों में काम करना पड़ता है जिसमें काम अधिक लिया जाता है और वेतन कम मिलता है। युवाओं में योजना के प्रति संतुष्टि का भाव देखा गया और उनको वर्णित योजना से बहुत अपेक्षा है। युवाओं के स्वास्थ्य स्तर में सुधार आने के कारण वह कृषि, पशुपालन, विभिन्न प्रकार की दूकान आदि रोजगारपरक कार्यों से अपनी आजीविका चलाने के इच्छुक हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने युवाओं के आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाया है। अब उनमें रोजगार प्रदाता की भावना जागृत हुई है।

''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना जिन लक्ष्यों को लेकर कार्य कर रही है, उसके प्राप्ति की पुष्टि प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त आंकड़े सुनिश्चित करते हैं। वर्णित योजना रूरा सिरसा ग्राम में निवासित आबादी के जीवन स्तर को व्यापक स्तर पर प्रभावित की है। योजना के प्रति लोगों में संतुष्टि का भाव आया है। योजना द्वारा लोगों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार आया है। महिलाओं की प्रस्थिति में भी ''हर घर नल–हर

घर जल'' योजना द्वारा सुधार किया गया है। अवलोकन में जल अपव्यय की समस्या देखी गयी है क्योंकि लोगों में जल की उपयोगिता एवं उपादेयता के प्रति जागरूकता एवं चेतना की कमी है।

9.0 सुझाव

- आपूर्ति किये जाने वाले पेयजल के अपव्यय को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।
- लोगों को जल उपभोग के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक बनाया जाये
- विद्यालयों में नियमित रूप से पूरे समय जलापूर्ति किया जाये ताकि बच्चों को ताजा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।
- जल के सदुपयोग के प्रति लोगों को शिक्षित किया जाना चाहिए।
- समाज कार्य हस्तक्षेप द्वारा जल के महत्त्व एवं उपभोग के प्रति चेतना का विकास किया जाना चाहिए।
- गैर–सरकारी संगठनों एवं समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करके जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जायें।

ग्राम सला (जमहोरी खुर्द), विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

भारत में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत

''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम सला, विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन, उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

प्रस्तुत शोध में किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम सला की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती सुधा देवी से ग्राम सला की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया।

ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्री राम करन यादव एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके सला ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा वर्णित योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम सला में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन,

ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका श्रीमती राजकुमारी से बच्चों एवं माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषाहार के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। गांव में कुल दो स्वयं सहायता समूह संचालित हैं। स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी से भी योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया

गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके

जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन मूल्यों में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम सला की कुल आबादी लगभग–300 है एवं कुल परिवारों की संख्या–55 तथा मतदाताओं की संख्या–125 है। ग्राम सला में नल कनेक्शन स्कोप–55 है जिसके सापेक्ष 55 नल कनेक्शन दिये भी गये हैं अर्थात् ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति हो रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम में कुल 100 एकड़ जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत जमीन उपजाऊ एवं 40 प्रतिशत बंजर है। ग्राम सला में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि, उसके बाद मजदूरी एवं पशुपालन है। कुछ लोग कृषि कार्य के साथ ही स्व–रोजगार के माध्यम से भी अपनी आजीविका चला रहे हैं। गांव के कुछ लोग जीवकोपार्जन हेतु शहरों में पलायन कर गये हैं। कुछ लोग दूकान लगाकर भी अपनी जीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम सला में एक प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय में कुल 14 बच्चे नामांकित हैं। प्रधानाचार्य श्री भारत सिंह के अनुसार

विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त करते हुए नियमित रूप से जलापूर्ति की जा रही है। विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं। विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक भी नियोजित हैं।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। सला ग्राम की कुल जनसंख्या 300 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से

अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 300 / 10 = 30 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 15 महिला एवं 15 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में सला ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

सला ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या

के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि सला ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम सला, विकास खण्ड कोंच का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम सला में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में हुए बदलावों का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर अध्ययन करने के लिए कुल 15 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा महिलाओं के जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा करने पर पता चला कि महिलाओं के स्वास्थ्य में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण सुधार आया है। 96 प्रतिशत न्यादर्श में सम्मिलित

महिलाओं ने बताया कि वर्णित योजना के संचालन के बाद से पेट संबंधी एवं जल जनित अन्य बीमारियां कम हुई हैं जिससे इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है। 94 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि समय एवं धन की बचत होने से महिलायें रोजगारपरक

कार्यों जैसे– कृषि एवं पशुपालन तथा अन्य संबद्ध कार्यों में अधिक समय दे रही हैं जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है। 93 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि समय की बचत होने से महिलायें परिवार एवं बच्चों की देखभाल पर अधिक समय दे रही हैं जिससे परिवार में उनकी भूमिका बढ़ी है और बच्चों का पालन–पोषण भी अच्छे से हो रहा है। 95 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालन के बाद से परिवार में शांति स्थापित हुई है क्योंकि अब महिलाओं का कार्य बोझ कम हुआ है

और उनके स्वास्थ्य में सुधार भी आया है। महिलाओं के सम्मान में परिवार में बढ़ोत्तरी हुई है। जलापूर्ति के कारण शौचालयों के कार्यात्मक होने से महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान में भी वृद्धि हुई है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम सला में एक प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है जिसमें कुल 14 विद्यार्थी नामांकित हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि

वर्णित योजना के संचानल के बाद से स्वास्थ्य स्तर में सुधार आने के कारण बच्चों की बोध क्षमता में सुधार देखा गया है, बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आयी है, बच्चे नियमित रूप से विद्यालय में आ रहे है और शांति से पढ़ाई कर रहे हैं। विद्यालय में

नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। प्रधानाचार्य के अनुसार अब अभिभावक नियमित रूप से बच्चों की शैक्षिक प्रगति से अवगत हो रहे हैं। अध्ययन में सम्मिलित 94 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा जा रहा है। 96 न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं चेतना का विकास हुआ है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम सला में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार आया है। बच्चों की विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थिति एवं अभिभावकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता इस बात की पुष्टि करता है कि वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का बहु–आयामी विकास संभव हुआ है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित 100 उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम सला में निवासित लोगों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार आया है। 98 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार पेट संबंधी बीमारियां कम होने के साथ ही अन्य जल जनित बीमारियां भी कम हुई हैं। 10 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में अधिक सुधार आया है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने बताया कि माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण पूर्व की अपेक्षा बहुत सुधार है। 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि लोगों की शारीरिक एवं मानसिक स्थिति में वर्णित योजना के कारण सुधार आया है। 98 प्रतिशत ने बताया कि इलाज पर होने वाले खर्च

में अब कमी आयी है। 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि शौचालयों के उपयोग होने से भी मक्खियों द्वारा होने वाली बीमारियों में बहुत कमी आयी है। इस प्रकार से ''हर

घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा समग्र स्वास्थ्य को ग्राम सला में बढ़ावा दिया गया है जिससे लोगों में यह योजना खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से पूर्व सला गांव में केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के कुछ लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालित होने के कारण अब ग्राम के प्रत्येक परिवार को ''हर घर

नल–हर घर जल'' योजना द्वारा नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। 93 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से गांव में सामाजिक एकता एवं सहयोग तथा सहकार का भाव विकसित हुआ है। 90 प्रतिशत के अनुसार सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है। 96 प्रतिशत न्यादर्शों के

अनुसार गांव में जल संकट के कारण होने वाले लड़ाई–झगड़ों में कमी आयी है। न्यादर्शों से शादी–विवाह पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव की चर्चा करने पर 91 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि बाल–विवाह एवं दहेज की समस्या में कमी आयी है। 95 प्रतिशत लोगों के अनुसार युवाओं की पसंद में परिवर्तन आने के कारण वह शिक्षित

लड़के/लड़कियों से विवाह करना पसंद कर रहे हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सामाजिक व्यवहार में भी व्यापक स्तर पर परिवर्तन आया है।

8.5 रोजगार के अवसर

सला ग्राम में अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। कुछ लोग पशुपालन एवं दिहाड़ी–मजदूरी से प्राप्त आय पर भी निर्भर हैं। लेकिन अधिकांश लोग कृषि से ही

रोजगार प्राप्त करते हैं। गांव के कुछ लोग शहरों में भी रोजगार के लिए गये हैं। कुछ लोग आस–पास के गांवों व कस्बों में भी रोजगार कर रहे हैं। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि कृषि तथा पशुपालन में महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है

क्योंकि अब वह गांव में ही रहकर विभिन्न प्रकार के रोजगार कर रहे हैं। 92 प्रतिशत के अनुसार गांव में मूलभूत सुविधाओं के बढ़ने से युवाओं में गांव के प्रति लगाव बढ़ा है। महिलाओं में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता का विकास हुआ है क्योंकि उनकी भागीदारी आय उत्पादक कार्यों में बढ़ी है। युवाओं में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है क्योंकि वह गांव में ही रहकर रोजगार करना पसंद कर रहे हैं। इस प्रकार से यह कहना समीचनी होगा कि वर्णित योजना पलायन की दर में कमी करने के साथ ही महिलाओं एवं युवाओं की आजीविका में सुधार किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधि के आधार पर हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़े बताते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत हद तक सफलता प्राप्त की गयी है। सला गांव के निवासियों में योजना द्वारा कृत कार्यों के प्रति संतुष्टि एवं खुशहाली का भाव है। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक व्यवहार को परिवर्तित करने में योजना की भूमिका सराहनीय रही है। यहां पर कुछ सुझाव दिये गये हैं जिससे कि योजना से प्राप्त परिणामों को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

9.0 सुझाव

- अध्ययनकर्ता द्वारा अवलोकन में पाया गया कि लोगों द्वारा पेयजल का अधिक अपव्यय किया जा रहा है। इसलिए लोगों को जागरूक एवं संवेदनशील बनाने

की आवश्यकता है जिससे कि उनमें इस चेतना का विकास हो सके कि जल प्रकृति का एक अमूल्य उपहार है, इसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए।

- समाज कार्य हस्तक्षेप के माध्यम से लोगों को जल के उपयोग के प्रति शिक्षित एवं जागरूक किया जा सकता है।
- जल संरक्षण पर कार्य करने वाले गैर–सरकारी संगठनों का सहयोग लिया जा सकता है।
- कुछ लोग आपूर्ति होने वाले पेयजल का उपयोग पेयजल के रूप में नहीं कर रहे हैं, उन्हें भी जागरूक करने की जरूरत है कि यह जल स्वास्थ्य की दृष्टि से कितना लाभदायक है।

ग्राम इगुई खुर्द, विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन में ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम इगुई खुर्द, विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन

के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम इगुई खुर्द की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, ग्राम में विद्यालयों की संख्या, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती सीमा देवी से ग्राम इगुई खुर्द की समग्रता के

संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्री बलवान पाल एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके इगुई खुर्द ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम इगुई खुर्द में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं स्वास्थ्य केन्द्र की ए.एन.एम. तथा आशा से बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। गांव में संचालित दो स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से भी योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम इगुई खुर्द की कुल आबादी लगभग–854 है एवं कुल परिवारों की संख्या–128 तथा मतदाताओं की संख्या–569 है। ग्राम इगुई खुर्द में नल कनेक्शन स्कोप–128 है जिसके सापेक्ष केवल 108 नल कनेक्शन दिये गये हैं। पलायन करने वाले परिवारों

छोड़कर ग्राम में निवासित सभी परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम इगुई खुर्द में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है। ग्राम में लगभग 250 एकड़ भूमि उपलब्ध है और ग्राम में उपलब्ध सभी भूमि उपजाऊ है जिसमें कृषि कार्य अच्छे से किया जाता है। कृषि कार्य के साथ ही स्व–रोजगार के माध्यम से भी गांव के लोग अपनी आजीविका चला रहे हैं। कुछ लोग बाहर शहरों में जीविका हेतु पलायन कर गये हैं यद्यपि कि वह समय–समय पर अपने घर आते–जाते रहते हैं। कुछ लोग कृषि कार्य के साथ–साथ पशुपालन एवं दिहाड़ी–मजदूरी करके भी जीवकोपार्जन कर रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम इगुई खुर्द में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। उक्त दोनों विद्यालयों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है। उक्त दोनों विद्यालयों में शौचालय की सुविधा भी बच्चों को प्राप्त हो रही है। वर्णित योजना से शौचालय में पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है जिससे शौचालय स्वच्छ बना रहता है। विद्यालय में विद्यार्थियों के अनुपात में पर्याप्त शिक्षक नियुक्त हैं। लगभग सभी मूलभूत सुविधायें विद्यालय में उपलब्ध हैं

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। इगुई खुर्द ग्राम की कुल जनसंख्या 854 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 854/10 = 86 (पूर्ण करने पर) न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 43 महिला एवं 43 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल''

योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में इगुई खुर्द ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

इगुई खुर्द ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि इगुई खुर्द ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम इगुई खुर्द, विकास खण्ड कोंच का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों के जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

प्रस्तुत अध्ययन के इस खण्ड में ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम इगुई खुर्द में महिलाओं के जीवन स्तर में हुए बदलावों का अध्ययन करने के लिए कुल 43 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। आंकड़ो के विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार हैं।

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने कहा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा जल संकट का समाधान हुआ है जिससे महिलाओं के कार्य बोझ

में कमी आयी है। 98 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि जल संकट के समाधान के साथ ही दूषित जल से छुटकारा मिला है और अब वर्णित योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की

उलब्धता सुनिश्चित हुई है। 96 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि पेट संबंधी बीमारियों एवं अन्य जल जनित बीमारियों के कम होने से इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है जिससे धन की बचत हुई है। 93 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि कृषि एवं पशुपालन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। 92 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि धन की बचत होने से परिवार में शांति एवं खुशहाली आयी है। 97 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर अधिक समय देने के कारण परिवार में उनके सम्मान में बढ़ोत्तरी हुई है। ए.एन.एम. ने बताया कि पहले गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं का स्वास्थ्य दूषित पेयजल के कारण ठीक नहीं रहता था लेकिन अब स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। इस प्रकार से अध्ययन में पाया गया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा महिलाओं की दशा में सुधार हुआ है। उनके स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण उनकी कार्यात्मक क्षमता बढ़ी है। महिलाओं में यह योजना खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम इगुई खुर्द में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित है जिसमें आस–पास के बच्चे पढ़ने के लिए जाते हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य हुई चर्चा में पाया गया कि वर्णित योजना के लागू होने के बाद से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण बच्चों की नियमित रूप से उपस्थिति विद्यालय में बढ़ी है। प्रधानाचार्य के अनुसार बच्चों की बोध क्षमता में स्वास्थ्य अच्छा होने के कारण सुधार देखा गया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य के अनुसार बच्चों में ''हर घर

नल–हर घर जल'' योजना के कारण स्वच्छता के प्रति जागरूकता आयी है। अभिभावक भी बच्चों को साफ–सुथरे कपड़े एवं नियमित रूप से स्नान कराके विद्यालय भेज रहे हैं।

न्यादर्श में सम्मिलित 96 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि विद्यालय में अब अच्छी पढ़ाई हो रही है क्योंकि बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं, इसलिए शिक्षक भी अपने दायित्त्वों का निर्वहन ठीक से कर रहे हैं। अध्ययन की 95 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता आयी है। 93 प्रतिशत लोगों ने बताया कि शिक्षा पर धन का निवेश बढ़ा है। 95 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार बच्चों को घर पर पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा है। अतः प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि वर्णित योजना के कारण ग्राम इगुई खुर्द में शैक्षिक सुधार को प्रोत्साहन मिला है जिससे

साक्षरता दर में सुधार आया है। अभिभावकों में भी शिक्षा के प्रति चेतना का विकास हुआ है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के

संचालन के बाद से जल जनित एवं पेट संबंधी बीमारियां बहुत कम हुई हैं। 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि पूर्व में विशेषकर वर्षा काल में ग्राम में उपलब्ध जल बिल्कुल भी पीने योग्य नहीं रहता था। अब योजना के संचालन के कारण स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से स्वास्थ्य स्तर में सुधार आया है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी

के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है। 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में अधिक सुधार देखा गया है। ए.एन.एम. सुश्री अनीता देवी ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से प्राप्त होने वाले स्वच्छ पेयजल के कारण गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य में बहुत सुधार हुआ है। 100 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार ग्राम में निवासित सभी लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार आया है जिससे उनकी कार्यात्मक क्षमता बढ़ी है। इस प्रकार से यह योजना लोगों के स्वास्थ्य को उन्नत करके उनके समग्र विकास में सहायक हुई है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों के सामाजिक व्यवहार में आये परिवर्तन का अध्ययन किया गया है। 100 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने के बाद से सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है जबकि वर्णित योजना के संचालन से पूर्व गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। इस प्रकार से यह योजना सभी परिवारों को आच्छादित करते हुए स्वच्छ पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध करा रही है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण लोगों के सामाजिक व्यवहार में बदलाव भी परिलक्षित हुए हैं। 96 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार अब गांव में सामाजिक एकता आयी है, गांव में सद्भावनापूर्ण माहौल बना है, गांव में सहकार का भाव विकसित हुआ है। 96 प्रतिशत के अनुसार योजना ने सामाजिक गतिशीलता को

प्रेरित करके लोगों के रहन–सहन के स्तर को उच्च करने में विशेष भूमिका का निर्वहन् किया है। उत्तरदाताओं से शादी–विवाह के संबंध में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना

के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 90 प्रतिशत न्यादर्श में सम्मिलित उत्तरदाताओं ने बताया कि अब विवाह जैसे कार्यक्रमों में अधिक पैसे खर्च किये जा रहे है क्योंकि आमदनी एवं बचत में बढ़ोत्तरी हुई है। बाल–विवाह की समस्या में कमी आयी है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों के सामाजिक व्यवहार में बदलाव आया है जिससे गांव में सद्भाव एवं एकता स्थापित हुई है।

8.5 रोजगार के अवसर

इगुई खुर्द ग्राम में कुल 250 एकड़ भूमि उपलब्ध है जो कि पूर्णतयः उपजाऊ है। गांव की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। कुछ लोग दिहाड़ी–मजदूरी एवं दूकान आदि लगाकर भी जीवकोपार्जन कर रहे हैं। कुछ महिलायें छोटे–मोटे रोजगार करके अपना खर्च चला रही हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र में आये बदलावों के संदर्भ में बात करने पर 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि युवाओं का रूझान स्व–रोजगार के प्रति बढ़ा है क्योंकि वह गांव में रहना पसंद कर रहे हैं और यहीं पर कुछ काम करके अपनी जीविका चलाने के इच्छुक हैं। महिलाओं के संदर्भ में बात करने पर 91 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि समय की बचत के कारण महिलाओं की भागीदारी कृषि एवं पशुपालन तथा घरेलू व्यवसायों में बढ़ी हैं। अब गांव की कुछ महिलायें समय बचत होने के कारण सब्जी बेचने के लिए बाजार भी जाती हैं। युवाओं एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार होने से उनके कार्य प्रदर्शन में सुधार आने के कारण रोजगारपरक कार्यों में वह अधिक समय दे रहे हैं। 93 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में वर्णित योजना के कारण कमी आयी है। मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, दुग्ध उत्पादन, इलेक्ट्रीशियन के रूप में भी कार्य करने के लिए युवा लोग उत्सुक हैं, कुछ युवा इस प्रकार का कार्य कर भी रहे हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण युवाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है जिसके कारण वह रोजगार के विविध विकल्पों में हाथ आजमा रहे हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण

रोजगार के क्षेत्र में बदलाव आया है। युवाओं के पलायन दर में कमी आने के कारण पारिवारिक खुशहाली एवं एकता में वृद्धि हुई है।

प्रस्तुत अध्ययन में हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में इगुई खुर्द गांव में सफल रही रही है। गांव में पेयजल हेतु लगी टोटियां ठीक से कार्य कर रही हैं। सुबह एवं शाम को नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति गांव में की जा रही है। सभी परिवार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से आच्छादित हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिलाओं की प्रस्थिति तथा सामाजिक व्यवहार के बदलाव में योजना की प्रभावकारी भूमिका है। कुछ लोग जल का अपव्यय अधिक कर रहे हैं क्योंकि वह अधिकांश जल जानवरों को नहलाने–धुलाने एवं गाड़ी धोने में कर रहे हैं। इसलिए योजना जिन लक्ष्यों को लेकर संचालित की गयी थी, उसके लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है ताकि उनका सहयोग प्राप्त हो सके और योजना को और गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सके।

9.0 सुझाव

- जल के अपव्यय को रोकने के लिए लोगों को जागरूक एवं शिक्षित किये जाने की आवश्यकता है।
- गांव में निवासित लोगों को समझाने की आवश्यकता है कि वर्णित योजना किन उद्देश्यों को लेकर संचालित की गयी थी ताकि उनका सहयोग योजना के क्रियान्वयन में प्राप्त किया जा सके।

- जल संरक्षण पर कार्य करने वाले गैर–सरकारी संगठनों का सहयोग लिया जा सकता है।
- 100 प्रतिशत लोग आपूर्ति होने वाले पेयजल का उपयोग पेयजल के रूप में करें, इसके लिए भी लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।
- समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेकर भी लोगों में चेतना का विकास एवं जागरूकता लायी जा सकती है।
- यदि गांव में जल सहेलियां कार्य कर रही हैं तो उनका भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

अतः स्पष्ट है कि यदि लोगों को जागरूक कर दिया जाये तो वर्णित योजना को और प्रभावी बनाया जा सकता है क्योंकि सरकार का दायित्त्व केवल इतना ही नहीं होना चाहिए कि वह केवल प्रत्येक घर को पाइप द्वारा पेयजल उपलब्ध करा दे, बल्कि जल के अपव्यय को रोकना एवं आपूर्ति किये जाने वाले जल का लोग उपयोग करें, इसके लिए कार्य करने की जरूरत है, तभी यह योजना ग्रामीण लोगों के लिए सार्थक हो सकती है। यद्यपि कि योजना द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में किये गये बदलाव सराहनीय रहे हैं।

ग्राम मबई एट (धमसेनी), विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन में ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम मबई एट (धमसेनी), विकास खण्ड कोंच, जनपद जालौन में

रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम मबई एट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की

संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, ग्राम में विद्यालयों की संख्या, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री श्रीधर से ग्राम मबई एट की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्रीमती रानी देवी एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके मबई एट ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम मबई एट में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुनीता श्रीवास्तव से बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। गांव में संचालित एक स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों से भी योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम मबई एट की कुल आबादी लगभग–400 है एवं कुल परिवारों की संख्या–110 तथा मतदाताओं की संख्या–270 है। ग्राम मबई एट में नल कनेक्शन स्कोप–350 है जिसके सापेक्ष केवल 300 नल कनेक्शन दिये गये हैं। कुछ परिवार शहरों में रहते हैं तथा कुछ परिवार नल कनेक्शन लेने के इच्छुक नहीं है। इस प्रकार से जितने भी परिवार नल कनेक्शन लेना चाहते थे उन्हें नल कनेक्शन देकर नियमित रूप से जलापूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम मबई एट में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है। ग्राम में लगभग 100 एकड़ भूमि उपलब्ध है जिसमें से लगभग 50 प्रतिशत जमीन पर कृषि कार्य

किया जाता है। जल गहन फसलों के अतिरिक्त सभी फसलों का उत्पादन अच्छे से होता

है। कृषि कार्य के अतिरिक्त मजदूरी एवं पशुपालन से भी लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। कुछ लोग बाहर शहरों में जीविका हेतु पलायन कर गये हैं। कुछ लोग छोटी–मोटी दूकान चलाकर भी अपनी आजीविका चला रहे हैं। कुछ लोग मुर्गी पालन, गोलगप्पे की दूकान, किराना की दूकान आदि से भी रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम मबई एट में एक प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है जिसमें कुल 34 विद्यार्थी नामांकित हैं जिसमें 17 बालक एवं 17 बालिकायें हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य का नाम श्री श्याम जी यादव है एवं विद्यालय में कुंल स्टॉफ की संख्या–07 है। विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है। विद्यालय में शौचालय की सुविधा भी बच्चों को प्राप्त हो रही है। विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध है। शिक्षकों की संख्या भी पर्याप्त है।

नोट : *अध्ययन का उद्‌देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। मबई एट ग्राम की कुल जनसंख्या 400 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से

अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 400/10 = 40 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 20 महिला एवं 20 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से "हर घर नल–हर घर जल" योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में मबई एट ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

मबई एट ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना "हर घर नल–हर घर जल" द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि मबई एट ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम मबई एट, विकास खण्ड कोंच का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर "हर घर नल–हर घर जल" परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने

वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन के इस खण्ड में ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा

ग्राम मबई एट में महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का अध्ययन करने के लिए कुल 20 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से दूषित पेयजल से छुटकारा मिला है। 97 प्रतिशत महिलाओं के अनुसार महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में वर्णित योजना के कारण सुधार हुआ है। 95 प्रतिशत महिला न्यादर्शों के मत में महिलाओं के कार्य बोझ में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण कमी आयी है क्योंकि अब उन्हें जल संग्रह पर अधिक समय नहीं देना पड़ता है। दैनिक कार्यों के लिए आसानी से जल उपलब्ध हो जाता है। 96 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि बीमारियों में कमी आने से इलाज पर होने वाले खर्च में कटौती हुई है जिसके कारण धन की बचत में वृद्धि हुई है। 93 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि समय एवं धन की बचत के कारण कृषि एवं पशुपालन तथा बच्चों की शिक्षा में वह समय तथा धन का अधिक निवेश कर रही हैं जिससे आय में वृद्धि होने के साथ ही बच्चों की शिक्षा में भी सुधार आया है। 100 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि जल की उपलब्धता के कारण शौचालयों का उपयोग नियमित रूप से किया जा रहा है जिससे उनके सम्मान में बढ़ोत्तरी हुई है और महिलायें जहरीले कीड़ों एवं आसामाजिक तत्त्वों से भी सुरक्षित हुई हैं। घर में शौचालय बनने से बीमार एवं गर्भवती महिलाओं को अधिक सुविधा हुई है। अब चाहे दिन हो या रात वह शौच हेतु जा सकती हैं जबकि अभी तक महिलायें रात में शौच जाने से डरती

थी और वह पेट दबाकर सुबह होने का इंतजार करती थी जिससे उन्हें पेट संबंधी बीमारियां अधिक होती थी।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम मबई एट में एक प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है जिसमें बच्चों का कुल नामांकन 34 है। अभिभावकों ने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई–लिखाई अच्छे से हो रही है जिससे बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा

जाता है। प्रधानाचार्य से हुई परिचर्चा में पाया गया कि वर्णित योजना के लागू होने के बाद से बच्चों के नामांकन एवं उपस्थित दर में सुधार आया है। बालिकाओं को भी अभिभावक नियमित रूप से विद्यालय भेज रहे हैं। 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि ‘‘हर घर नल–हर घर जल’’ योजना द्वारा शिक्षा के प्रति ग्राम मबई एट में जागरूकता

आयी है लोगों में शिक्षा के प्रति चेतना का विकास हुआ है। 96 प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि बच्चों की सभी शैक्षिक जरूरतों को पूर्ण किया जा रहा है जिसके कारण उनका मन भी पढ़ने में लग रहा है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करके लोगों में खुशहाली का विकास किया है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं से परिचर्चा करने पर 100 प्रतिशत लोगों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से उनके शारीरिक एवं मानसिक

स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। 96 प्रतिशत के अनुसार जल जनित एवं पेट संबंधी बीमारियां में कमी आयी है। 98 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वर्णित योजना से इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है जिससे धन की बचत हुई है। 97 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों

ने बताया कि बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य को योजना ने अधिक प्रभावित किया है। गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य में वर्णित योजना के कारण सुधार आया है। युवाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार देखा गया। 96 प्रतिशत वृद्ध लोगों ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण उनका पेट साफ रहता है, अब उन्हें दिन में बार–बार शौच हेतु नहीं जाना पड़ता है। स्वास्थ्य में सुधार के कारण गांव में निवासित सभी लोगों की कार्यात्मक क्षमता में सुधार देखा गया है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक रूपांतरकारी बदलाव किये गये हैं।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित सभी लोगों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लागू होने के पूर्व गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। निम्न आय एवं जाति के लोग तालाबों एवं कुओं में उपलब्ध जल का उपयोग करते थे। गर्मियों के महीने में टैंकर से पानी मंगवाना पड़ता था जो कि स्वच्छ नहीं होता था। उत्तरदाताओं से बात करने पर 95 प्रतिशत ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालन से गांव की सामाजिक एकता एवं सहयोग में वृद्धि हुई है। 93 प्रतिशत ने बताया कि गांव में लोग सद्भावपूर्ण जीवन वर्णित योजना के कारण जल संकट के समाधान होने से जी रहे हैं। 97 प्रतिशत ने बताया कि योजना द्वारा सामाजिक गतिशीलता एवं रहन–सहन का स्तर उच्च हुआ है। शादी–विवाह के संबंध में आये बदलावों के संदर्भ में बात करने पर 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि बाल–विवाह में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा

कमी आयी है क्योंकि लोगों में बाल–विवाह के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई है। अब लड़के एवं लड़कियां अपनी पसंद की शादी कर रहे हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर

घर जल'' योजना द्वारा लोगों के रहन–सहन में परिवर्तन आने के कारण उनकी सोच में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है जिससे सामाजिक भेदभाव में कमी आयी है और लोगों में अपनेपन का भाव विकसित हुआ है।

8.5 रोजगार के अवसर

मबई एट ग्राम में कुल 250 एकड़ भूमि उपलब्ध है जिसमें से लगभग 50 प्रतिशत जमीन उपजाऊ है। उपजाऊ जमीन पर कृषि कार्य किया जाता है। गांव की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचानल के बाद

से 94 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कृषि एवं पशुपालन का कार्य योजना द्वारा उपलब्ध

स्वच्छ पेयजल के कारण अधिक हुआ है। युवाओं की भागीदारी भी उक्त क्षेत्रों में बढ़ी हैं। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि महिलायें भी बचे हुए समय का उपयोग कृषि कार्यों में कर रही हैं। 97 प्रतिशत महिला न्यादर्शों के अनुसार गांव की कुछ महिलायें छोटे–मोटे रोजगार करके भी अपना खर्च चला रही हैं। न्यादर्श में सम्मिलित 93 प्रतिशत युवा न्यादर्शों ने बताया कि उनका रूझान स्व–रोजगार के प्रति बढ़ा है क्योंकि वह गांव में रहना पसंद कर रहे हैं। योजना द्वारा युवाओं में खुशहाली आयी है जिससे उनके

आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है। यह योजना गांव के निवासियों के स्वास्थ्य को बेहतर करके रोजगार करने हेतु प्रेरित किया है।

प्रस्तुत अध्ययन में हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मबई एट गांव में सफल रही रही है। गांव के लोगों में योजना के प्रति संतुष्टि का भाव है। नियमित रूप से लोगों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। गांव के केवल कुछ लोग नल कनेक्शन नहीं लिए हैं जिन्हें जागरूक करके नल कनेक्शन देने की जरूरत है ताकि उन्हें भी स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। गांव में नल कनेक्शन की बेहतर अवसंरचना का विकास किया गया है। गांव में निवासित लोगों को नियमित रूप से सुबह एवं शाम को पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जल अपव्यय एवं उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है जिससे कि जल का संरक्षण करते हुए लोगों के स्वास्थ्य को संरक्षित किया जा सके।

9.0 सुझाव

- गांव के लोग जल के महत्त्व एवं उपादेयता को नहीं समझ रहे हैं, इसलिए उनमें चेतना एवं जागरूकता लाने की आवश्यकता है।
- जल उपयोग के प्रति गांव के लोगों को संवेदनशील बनाने की जरूरत है।
- 100 प्रतिशत लोग आपूर्ति होने वाले पेयजल का उपभोग करें, इसके लिए लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

- समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेकर भी लोगों में चेतना का विकास एवं जागरूकता लायी जा सकती है।
- यदि गांव में जल सहेलियां कार्य कर रही हैं तो उनका भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

अतः स्पष्ट है कि यदि लोगों को जागरूक एवं संवेदनशील कर दिया जाये तो वर्णित योजना द्वारा और प्रभावी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

ग्राम जैसारी खुर्द, विकास खण्ड डकोर, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन में ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम जैसारी खुर्द, विकास खण्ड डकोर, जनपद जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत

अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम जैसारी खुर्द की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, ग्राम में विद्यालयों की संख्या, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी।

शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री दशरथ सिंह से ग्राम जैसारी खुर्द की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्री अशोक कुशवाहा एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके जैसारी खुर्द ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम जैसारी खुर्द में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री से बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम जैसारी खुर्द की कुल आबादी लगभग–2500 है एवं कुल परिवारों की संख्या–500 तथा मतदाताओं की संख्या–1500 है। ग्राम जैसारी खुर्द में नल कनेक्शन स्कोप–450 है जिसके सापेक्ष 450 नल कनेक्शन दिये गये हैं लेकिन केवल 250 में ही

जलापूर्ति अभी हो रही है। बचे हुए नलों में एक–दो सप्ताह में जलापूर्ति सुनिश्चित कर दी जायेगी।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम के अधिकतर लोग कृषि कार्यों से अपनी आजीविका चला रहे हैं। कुछ लोग कृषि कार्य के साथ ही अन्य रोजगारपरक कार्यों में भी संलग्न हैं। गांव में दिहाड़ी–मजदूरी भी जीवकोपार्जन का एक साधन है। पशुपालन करके भी कुछ लोग अपनी जीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम जैसारी खुर्द में एक प्राथमिक विद्यालय एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है जिसमें कुल क्रमशः 59 तथा 26 विद्यार्थी नामांकित हैं। विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है। विद्यालय में शौचालय की सुविधा भी बच्चों को प्राप्त हो रही है। विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध है।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। जैसारी खुर्द ग्राम की कुल जनसंख्या 2500 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 2500/10 = 250 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 125 महिला एवं 125 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है।

इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में जैसारी खुर्द ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

जैसारी खुर्द ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि जैसारी खुर्द ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम जैसारी खुर्द, विकास खण्ड डकोर का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन के इस खण्ड में ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम जैसारी खुर्द में महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का अध्ययन करने के

लिए कुल 125 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। 100 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के बाद से दूषित पेयजल से मुक्ति मिलने के कारण स्वास्थ्य में सुधार आया है। 96 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है। 97 प्रतिशत अध्ययन की इकाइयों ने बताया कि श्रम बल में महिलाओं की भूमिका बढ़ी है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि समय की बचत होने के कारण

बच्चों की देखभाल एवं परिवार को अधिक समय देने में वह वर्णित योजना के कारण समर्थ हुई हैं। 100 प्रतिशत ने बताया कि शौचालयों के क्रियात्मक होने से उनके सम्मान एवं सुरक्षा में वृद्धि हुई है और मक्खियों से होने वाली बीमारियों में कमी भी आयी है। 95 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि सामाजिक धारणा में परिवर्तन होने से उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान पूर्व की अपेक्षा प्राप्त हुआ है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने ग्राम जैसारी खुर्द में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत

न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि वर्णित योजना द्वारा ग्राम के प्रत्येक परिवार को स्वच्छ

पेयजल की आपूर्ति के कारण स्वास्थ्य स्तर में होने वाले सुधार ने शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। ग्राम में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। उक्त विद्यालयों के प्रधानाचार्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यार्थियों के नामांकन दर में पूर्व की अपेक्षा वृद्धि हुयी है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि बालिकाओं के नामांकन दर में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि देखने को मिली है। विद्यालय में नामांकित बच्चों से चर्चा करने पर पता चला कि उन्हें विद्यालय में मूलभूत सुविधायें प्राप्त हो रही हैं। बच्चों ने बताया कि विद्यालय में स्वच्छ पेयजल नियमित रूप से मिल रहा है और शौचालय की सुविधा भी प्रत्येक विद्यार्थी को उपलब्ध हो रही है। अध्ययन में सम्मिलि 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से गांव में शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार जल–जनित बीमारियों के कम होने से बच्चों के स्वास्थ्य में रूपांतरकारी बदलाव आये हैं जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा पर पड़ रहा है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ पेयजल की नितांत आवश्यकता होती है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श की 100 प्रतिशत इकाइयों ने कहा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने जल संकट को समाप्त करने के साथ–साथ स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी सुनिश्चित किया है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं बताया कि उनके स्वास्थ्य में पूर्व की

अपेक्षा सुधार हुआ है और वह स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करते हैं। 98 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार उन्हें अब डॉक्टर के पास इलाज हेतु अनावश्यक पैसे खर्च करने से मुक्ति मिल चुकी है। 98 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने कहा कि

शौचालयों में जलापूर्ति होने से वह प्रकार्यात्मक स्थिति में आ चुके हैं जिससे स्वच्छता में सुधार होने के साथ ही महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा में भी वृद्धि हुई है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि कर्ज की समस्या से भी अब लोगों को मुक्ति मिली है। कुल मिलाकर अवलोकन में पाया गया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने सभी आयु वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य को उन्नत करते हुए उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

"हर घर नल–हर घर जल" योजना के संचालन से पूर्व जैसारी खुर्द ग्राम के कुछ अमीर लोगों तक ही शुद्ध पेयजल की पहुंच थी। गांव के निम्न आय एवं जाति के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं था क्योंकि वह स्वच्छ पेयजल पर होने वाले खर्च

को वहन करने में सक्षम नहीं थे। "हर घर नल–हर घर जल" योजना इस समस्या का समाधान प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करके किया गया। ग्राम में जल को लेकर प्रायः लड़ाई–झगड़े हुआ करते थे। जल संकट के कारण गांव में तनाव बना रहता था। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि जल संकट के

समाधान एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण गांव में खुशहाली आयी है, लोगों में सहकार का भाव विकसित हुआ है। सामाजिक मूल्यों में बदलाव के कारण बाल–विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने में सहायता मिली है। दहेज की समस्या में भी कमी आयी है। लोग गांव में वैवाहिक रिश्तों को करना पसंद कर रहे हैं।

8.5 रोजगार के अवसर

न्यादर्श में सम्मिलित बहुसंख्यक 100 प्रतिशत ने बताया कि ग्राम जैसारी खुर्द में रोजगार का साधन कृषि एवं पशुपालन ही है। ग्राम में कृषि योग्य कुल 100 एकड़ जमीन

उपलब्ध है जिसमें कृषि कार्य किया जाता है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से सभी परिवारों तक शुद्ध पेयजल की पहुंच ने लोगों के समय एवं धन की बचत की है।

इसके अतिरिक्त ग्राम जैसारी खुर्द के लोगों को आम बीमारियों से संरक्षित करके स्वस्थ जीवन जीने का मौका दिया है। परिणामस्वरूप धन एवं समय दोनों की बचत होने के कारण ग्राम में निवासित लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। गांव के लोग कृषि कार्य से अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। छोटे–छोटे व्यवसाय के प्रति लोग उन्मुख हो रहे हैं। ग्राम के कुछ युवा जीवकोपार्जन हेतु बाहर शहरों में गये हुए हैं। शेष गांव में ही रहकर खेती–बाड़ी का कार्य एवं अपना व्यवसाय कर रहे हैं। वर्णित योजना द्वारा युवाओं के आत्म–विश्वास के स्तर में वृद्धि हुई है। युवा लोग स्वस्थ तथा कुशल कामगार के रूप में कृषि एवं पशुपालन तथा निजी क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। महिलाओं की भूमिका भी रोजगार के क्षेत्र में बढ़ी है, वह अपने बचे हुए समय का उपयोग आय अर्जक गतिविधियों में कर रह हैं जिससे उनकी भी आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई है।

जैसारी खुर्द ग्राम में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत हद तक सफल रही है। हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त अभिमत के आधार पर यह कहा जा सकता है कि लोगों में योजना के प्रति उच्च्य स्तर की संतुष्टि है। कुछ परिवारों को छोड़कर सभी को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। गांव में नल कनेक्शन की बेहतर अवसंरचना का विकास किया गया है। गांव में निवासित लोगों को नियमित रूप से सुबह एवं शाम को पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। अवलोकन में पाया गया कि कुछ लोग जल का अधिक अपव्यय कर रहे हैं जिसके कारण प्रकृति प्रदत्त जल की बर्बादी हो रही है जिसके संरक्षण की बहुत जरूरत है।

9.0 सुझाव

- जल उपयोग के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए।
- 100 प्रतिशत लोग आपूर्ति होने वाले पेयजल का उपभोग करें, इसके लिए लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।
- लोगों में चेतना एवं जागरूकता का विकास करके जल का संरक्षण किया जाना चाहिए क्योंकि लोगों में जागरूकता की कमी है।
- समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेकर भी लोगों में चेतना का विकास एवं जागरूकता लायी जा सकती है।
- यदि गांव में जल सहेलियां कार्य कर रही हैं तो उनका भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

इस प्रकार से स्पष्ट है कि यदि लोगों को जागरूक एवं संवेदनशील बनाया जाता है तो योजना द्वारा गांव का समग्र विकास और अच्छे से किया जा सकता है।

ग्राम गिरथान, विकास खण्ड डकोर, जनपद जालौन

1.0 अध्ययन की विधि

भारत में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम गिरथान, विकास खण्ड डकोर, जनपद

जालौन में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत अध्ययन में किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम गिरथान की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी।

शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती सुशीला पाल से ग्राम गिरथान की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान श्रीमती सकीना बानो एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके गिरथान ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम गिरथान में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचाययों एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका एवं स्वास्थ्य केन्द्र की ए.एन.एम. से वार्ता करके स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गयी। गांव में संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से भी योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के समग्र जीवन में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम गिरथान की कुल आबादी लगभग–5000 है एवं कुल परिवारों की संख्या–250 तथा मतदाताओं की संख्या–1500 है। ग्राम गिरथान में नल कनेक्शन स्कोप–250 है जिसके सापेक्ष 250 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर

घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम मे कुल लगभग 200 एकड़ जमीन उपलब्ध है जिसमें सभी 100 प्रतिशत भूमि कृषि योग्य है। लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि है, कुछ लोग कृषि कार्य के साथ ही स्व–रोजगार के माध्यम से भी अपनी आजीविका चला रहे हैं। कुछ लोग शहरों में जाकर नौकरी कर रहे हैं। अधिकतर महिलायें कृषि कार्यों में संलग्न हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम गिरथान में कुल तीन विद्यालय हैं जिसमें से एक प्राथमिक विद्यालय, एक उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा एक कन्या प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया

जा रहा है। उक्त तीनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के नाम क्रमशः यशा राजपूत, चन्द्रलेखा बुन्देला एवं सुशीला गुप्ता है। उपर्युक्त विद्यालयों में विद्यार्थियों का नामांकन क्रमशः 44, 35 एवं 37 है। प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती यशा राजपूत ने बताया कि विद्यालय को "हर घर नल–हर घर जल" योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती चन्द्रलेखा बुंदेला ने बताया कि विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और वर्णित योजना द्वारा नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसी प्रकार से कन्या प्राथमिक विद्यालय को भी योजना से संतृप्त करते हुए स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त विद्यालयों में बने शौचालयों में नियमित रूप से जलापूर्ति होने के कारण वह प्रकार्यात्मक स्थिति में आ चुके हैं जिसका उपयोग बच्चों द्वारा किया जाता है।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। गिरथान ग्राम की कुल जनसंख्या 5000 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 5000/10 = 500 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 250 महिला एवं 250 पुरूष सम्मिलित हैं।

अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में गिरथान ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

गिरथान ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि गिरथान ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम गिरथान, विकास खण्ड डकोर का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों की जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का

विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं—

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड में न्यादर्श में सम्मिलित कुल 250 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से ''हर घर नल—हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों को जानने का प्रयास किया गया। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल—हर घर जल'' योजना द्वारा प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित होने से महिलाओं के जीवन में गुणात्मक बदलाव आया है।

न्यादर्श में सम्मिलित 97 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि पहले उन्हें दूर से पेयजल भरकर लाना पड़ता था जिसके कारण उनकी गर्दन में प्रायः दर्द बना रहता था। अब वर्णित योजना के संचालन के कारण घर में ही जल की उपलब्धता के कारण जल लाने में होने

वाली समस्या से मुक्ति मिली है और समय की बचत भी हुई है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने स्वीकार किया कि अब बीमारियों में कमी आने से इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है। 95 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि महिलाओं की भूमिका कृषि और पशुपालन तथा अन्य आय अर्जक गतिविधियों में बढ़ी है। 100 प्रतिशत महिलाओं के अनुसार उनका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुधरा है। 96 प्रतिशत के अनुसार शौचालय में जल की उपलब्धता होने के कारण उसका पूर्ण रूप से उपयोग हो रहा है

जिसके कारण महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा में वृद्धि हुई है। 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर अधिक समय देने के कारण परिवार में उनका सम्मान बढ़ा है। इस प्रकार से योजना ने लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करते हुए जल संकट का भी निवारण किया है जिससे महिलाओं के गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित हुआ है और वह स्वावलंबी बनने की ओर अग्रसर हैं।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम गिरथान में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है। प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या ने बताया कि विद्यालय में बच्चों के नामांकन दर में सुधार आया है और वह नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित होकर पढ़ाई कर रहे हैं। प्रधानाचार्या के अनुसार बालिकाओं की शिक्षा में अधिक सुधार देखा गया है क्योंकि अभिभावकों में जागरूकता आयी है। 100 प्रतिशत अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों ने बताया कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा जा रहा है जिससे बच्चों की शैक्षिक प्रगति में सुधार हुआ है। उच्च प्राथमिक विद्यालय में भी बच्चों के नामांकन दर में सुधार आने के साथ ही ड्राप आउट की दर में कमी आयी है। उक्त दोनों विद्यालय ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से आच्छादित हैं जिसके कारण नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। 95 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि घर पर बच्चों को पढ़ाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य

से हुई चर्चा में ज्ञात हुआ कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उपलब्ध स्वच्छ पेयजल के कारण बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने से उनकी बोध क्षमता में भी सुधार आया है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित कुल 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम गिरथान में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य में

सुधार आया है। स्वास्थ्य में सुधार की पुष्टि स्वास्थ्य केन्द्र की ए.एन.एम. ने भी किया। 98 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वर्णित योजना के कारण पेट संबंधी बीमारियां

कम हुई हैं, साथ ही अन्य अनेक प्रकार की बीमारियों में कमी आयी है। 100 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है। 96 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में अधिक सुधार आया है। ए.एन. एम. ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उलब्धता से गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य में पूर्व की अपेक्षा अधिक सुधार हुआ है। 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाईयों ने स्वीकार किया कि सभी आयु वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य को सुधारने में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की महती भूमिका है। अब सभी लोग स्वयं को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। इस प्रकार से वर्णित योजना ने ग्राम गिरथान के लोगों के समग्र स्वास्थ्य को उन्नत करने में अमूल्य योगदान दिया है जिससे लोगों में खुशहाली का भाव आया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

सहभागी मूल्यांकन पर आधारित प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श रूप में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से पहले गांव के सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं था, केवल अमीर लोगों तथा उच्च जाति के समृद्ध लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के कारण गिरथान गांव के प्रत्येक परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होने के कारण 95 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि अब गांव में सहयोग एवं सहकार का भाव विकसित होने साथ ही सामाजिक एकता की भावना का विकास हुआ है और लोगों

में सद्भाव का भाव आया है। अपनेपन का विकास होने से ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था को मजबूती मिली है। शादी–विवाह पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव

के संदर्भ में उत्तरदाताओं ने चर्चा करने पर न्यादर्श की इकाईयों ने बताया कि अब शादी–विवाह में परम्परागत मूल्यों के स्थान पर आधुनिक एवं नवीन परम्पराओं का विकास हुआ है। लोगों के जीवन स्तर में वर्णित योजना के कारण बदलाव आने से शादी–विवाह में दिखावा खूब हो रहा है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम में कुल खेती योग्य जमीन 200 एकड़ है जिसमें गांव के लोग खेती–किसानी करते हैं। ग्राम की अधिकांश आबादी मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। कृषि के साथ

ही कुछ लोग दिहाड़ी–मजदूरी करके भी जीवन निर्वाह कर रहे हैं। अध्ययन में सम्मिलित

100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। धन की बचत होने के कारण कृषि में धन का अधिक निवेश किया जा रहा है। स्व–रोजगार में भी पूंजी का अधिक निवेश गांव के लोगों ने किया है। कुशल कामगार के रूप में युवाओं द्वारा कौशल दक्ष रोजगार में सम्मिलित होकर जीवकोपार्जन किया जा रहा है। 96 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि युवाओं को गांव में ही मूलभूत सुविधाओं के मिलने एवं रोजगार के विकल्प उपलब्ध होने के कारण उनमें पलायन की दर कम हुई है। अवलोकन में पता चला कि युवाओं में आत्मविश्वास की भावना का विकास हुआ है जिसके कारण उनमें संतुष्टि का

भाव विकसित हुआ है। युवा लोग ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से बहुत प्रभावित हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में गिरथान गांव में सफल रही रही है। गांव की बेहतरी में योजना की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है क्योंकि योजना द्वारा कृत कार्य के प्रति लोगों में उच्च स्तर की संतुष्टि है। स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनुकरणीय सुधार वर्णित योजना द्वारा किया गया है। अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन में पाया गया कि गांव के कुछ लोग पेयजल का अपव्यय कर रहे हैं, इसलिए उन्हें जागरूक करने की आवश्यकता है।

9.0 सुझाव

- अवलोकन में पाया गया कि ग्राम गिरथान के लोग ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा आपूर्ति किये जाने जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को नहीं समझ रहे हैं जिसके कारण वह इस जल का अधिक अपव्यय कर रहे हैं। इसलिए उनमें जल संकट के प्रति चेतना जागृत करते हुए संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है।
- समाज कार्य हस्तक्षेप के माध्यम से योजना को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

- जिन ग्रामों में जल सहेलियां काम कर रही हैं, उन्हें प्रशिक्षण देने की जरूरत है जिससे कि वह लोगों को जल के उपयोग एवं महत्त्व के बारे में बता सकें।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को लोगों को समझाकर जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है।
- सरकार को जल संरक्षण के प्रति अनिवार्य रूप से लोगों को जागरूक करना चाहिए ताकि अपव्यय होने वाले जल को रोका जा सके क्योंकि बुंदेलखण्ड क्षेत्र वैसे ही जल संकट का सामना करता रहता है, यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भूजल स्तर और नीचे जा सकता है जिससे जल संकट की समस्या और गंभीर हो सकती है।

साक्षात्कार अनुसूची

नोट : प्रस्तुत शोध कार्य के अंतर्गत ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना से ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों का अध्ययन किया गया है। इस संदर्भ में आपसे सही उत्तर देने की आशा की जाती है। आपसे प्राप्त आंकड़ों को पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा जिसका प्रयोग केवल प्रस्तुत शोध कार्य में ही किया जायेगा, अन्यत्र इसका कोई–भी प्रयोग नहीं किया जाएगा।

उत्तरदाताओं का परिचय

1. नाम ....
2. लिंग ....
3. आयु ....
4. जाति ....
5. शैक्षिक स्तर ....
6. वैवाहिक स्थिति ....
7. परिवार में कुल सदस्यों की संख्या ....

उत्तरदाताओं से पूछे गये प्रश्न

1. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर सुधरा है–

   (1) हाँ (2) नहीं

2. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होने के पश्चात् महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में परिवर्तन हुआ है–

   (1) हाँ (2) नहीं

3. वर्णित योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर महिलाओं द्वारा अधिक समय दिया जा रहा है–

   (1) हाँ (2) नहीं

4. उपर्युक्त योजना के संचालित होने से शिक्षा के प्रति आपके ग्राम में निवासित लोगों में जागरूकता आयी है–

   (1) हाँ (2) नहीं

5. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लागू होने के बाद से बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं–

6. वर्णित योजना द्वारा बालक/बालिकाओं के नामांकन दर में सुधार हुआ है–

(1) हाँ (2) नहीं

7. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होने से लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार आया है–

(1) हाँ (2) नहीं

8. उपर्युक्त योजना संचालित होने से जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

9. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से इलाज हेतु खर्च में कमी आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

10. वर्णित योजना के संचालन से सभी आय एवं जाति समूह के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है–

(1) हाँ (2) नहीं

11. योजना के संचालन से गांव में सामाजिक एकता, सहकार एवं खुशहाली आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

12. वर्णित योजना के लागू होने के बाद से शादी–विवाह में परिवर्तन दृष्टिगोचर हुए हैं–

(1) हाँ (2) नहीं

13. रोजगार के उपलब्ध विविध विकल्पों में युवाओं का रूझान बढ़ा है–

(1) हाँ (2) नहीं

14. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

15. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से युवाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि एवं अपने गांव के प्रति लगाव बढ़ा है–

(1) हाँ (2) नहीं

समाप्त